रोहतक
शुक्रवार, 26 दिसंबर 2025
पौष मास शुक्ल पक्ष, षष्ठी वर्ष : 29, अंक : 327
पृष्ठ 12 मूल्य 3.00

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

मौसम
अधि. 24.0
न्यून. 4.3

■ प्रेरणा स्थल पर 65-65 फीट ऊंची दीनदयाल उपाध्याय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी और अटल बिहारी वाजपेयी की मूर्तियां लगाई गई हैं। हर एक प्रतिमा 42 टन वजनी है।
■ प्रेरणा स्थल 65 एकड़ क्षेत्र में 230 करोड़ रुपये की लागत से बना है। साल 2022 में इसका निर्माण शुरू हुआ था।

खबर संक्षेप

'हर्बल टी' के नाम पर 'चाय' शब्द के इस्तेमाल पर रोक

नई दिल्ली। भारत में चाय सिर्फ एक पेय पदार्थ नहीं है, बल्कि यह करोड़ों लोगों के लिए एक भावना, एक आदत और दिन की नई शुरुआत का प्रतीक है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जिसे आप बड़े चाव से 'हर्बल टी', 'फ्लॉवर टी' या 'नेचुरल टी' समझकर पी रहे हैं, वह कानूनन चाय है ही नहीं? फूड रेगुलेटर एफएसएसएआई (भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण) ने इस संबंध में स्पष्ट किया है कि भविष्य में केवल वही उत्पाद 'चाय' के नाम से बेचे जा सकेंगे, जो 'कमेल्लीअ सिनेसिस' पौधे की पत्तियों से बने हों। *एजेंसी*

बैंक धोखाधड़ी में दस जगहों पर ईडी के छापे

भोपाल। बैंकों के साथ करोड़ों की धोखाधड़ी के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने दो समूहों पर सर्चिंग ऑपरेशन चलाया। इंदौर के साथ-साथ अहमदाबाद और मुंबई में स्थित दोनों समूहों के दस्तावेज के साथ लाखों रुपये जब्त किए गए हैं। 400 से 500 करोड़ के आसपास धोखाधड़ी मामले में सर्चिंग की जानकारी सामने आई है। ईडी की टीमों ने एक साथ करीब 10 ठिकानों पर सर्चिंग की, जो देर रात तक जारी रही। सीबीआई ने पहले रुचि ग्रुप से जुड़े रहे उमेश शाहरा और अन्य के खिलाफ करोड़ों की धोखाधड़ी का केस दर्ज किया था। *एजेंसी*

मुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन, ऑनलाइन आवेदन शुरू

जॉब सिक्योरिटी पोर्टल लॉन्च 1.2 लाख कर्मियों को फायदा

पारदर्शिता, सटीकता और एकरूपता सुनिश्चित करना उद्देश्य

अनुबंध कर्मचारियों को पंजीकरण कर सभी आवश्यक दस्तावेज 31 जनवरी, 2026 तक पोर्टल पर अपलोड करने होंगे। इसके बाद आहरण एवं संवितरण अधिकारी द्वारा सेवा रिकॉर्ड का सत्यापन 28 फरवरी, 2026 तक किया जाएगा। वित्त विभाग की ओर से पात्र कर्मचारियों के लिए सुपरन्यूमैरेर पोस्ट का सृजन 31 मार्च, 2026 तक किया जाएगा।

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶। चंडीगढ़

हरियाणा के 1.20 लाख अनुबंध कर्मचारियों के लिए गुरुवार से नई शुरुआत हुई। उनकी जॉब सिक्योरिटी 2025 नियमों के तहत आवेदन के लिए ऑनलाइन करने और उनके निपटान के लिए www.securedemployee.csharyana.gov.in के नाम से एक पोर्टल शुरू किया गया। पोर्टल की शुरुआत मुख्यमंत्री नायब सैनी ने की। इसका कर्मचारियों को करीब एक साल से इंतजार था। 2 दिन पहले मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा इस संबंध में एक लेटर भी जारी किया था। इसमें लिखा था कि अनुबंध कर्मचारियों को जॉब सिक्योरिटी का लाभ देने की प्रक्रिया में पारदर्शिता, सटीकता और एकरूपता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अब सभी मामलों का निपटान केवल ऑनलाइन माध्यम से किया जाएगा। किसी भी प्रकार के भौतिक आवेदन या ऑफलाइन आदेश स्वीकार नहीं किए जाएंगे और न ही उन्हें मान्य माना जाएगा।

30 अप्रैल तक मिलेंगे लेटर

संबंधित विभागाध्यक्षों की ओर से अंतिम स्वीकृति एवं सेवा सुरक्षा के प्रस्ताव संबंधी लेटर 30 अप्रैल, 2026 तक जारी किए जाएंगे। सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों, बोर्डों एवं निगमों के प्रबंध निदेशकों, मंडल आयुक्तों और उपायुक्तों को निर्देश दिए गए हैं कि वे निर्धारित समय-सीमा का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें। किसी भी प्रकार की देरी या अनुपालन में कमी के लिए जवाबदेही तय की जाएगी।

■ **कर्मचारियों को एक साल से था इंतजार, सभी मामलों का निपटान ऑनलाइन होगा**

लोकसभा चुनाव के बाद की थी घोषणा

2024 के लोकसभा चुनाव में सत्ताधारी दल भाजपा को हरियाणा में 5 सीटों पर हार का सामना करना पड़ा। हार की समीक्षा में इनपुट मिला कि कर्मचारी जॉब सिक्योरिटी को लेकर काफी नाराज चल रहे हैं। उसके बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विधानसभा चुनाव से पहले हरियाणा सरकार के विभागों, बोर्डों, निगमों में कार्यरत 1.20 लाख अस्थायी कर्मचारियों को जॉब सिक्योरिटी देने की घोषणा की।

सफाई कर्मियों की सुरक्षा के लिए पंजाब-हरियाणा की एसओपी

हाईकोर्ट ने मांगी छमाही रिपोर्ट

पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के निर्देशों के करीब चार महीने बाद दोनों राज्यों ने सफाई कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार कर ली है। हाईकोर्ट ने इसे एक सकारात्मक पहल मानते हुए संतोष जताया, लेकिन साथ ही यह स्पष्ट किया कि एसओपी सिर्फ कागजों तक सीमित न रहे। अदालत ने दोनों राज्यों को हर छह महीने में अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया है। जस्टिस पंकज जैन की पीठ को बताया गया कि नई एसओपी का मकसद कचरा उठाने और स्वच्छता से जुड़े कार्यों में लगे कर्मचारियों की सुरक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और समग्र कल्याण सुनिश्चित करना है। इससे पहले एक मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने यह गंभीर स्थिति सामने आने पर चिंता जताई थी। तब अदालत ने कहा था कि काम की प्रकृति को देखते हुए सफाई कर्मियों के लिए सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराना राज्यों की जिम्मेदारी है और इसके लिए स्पष्ट व्यवस्था होनी चाहिए। अदालत के निर्देशों के बाद हरियाणा सरकार ने हलफनामा दाखिल कर बताया कि सफाई कर्मचारियों के लिए पीपीई किट का नियमित वितरण, स्वास्थ्य जांच और अन्य सुरक्षा उपायों को लेकर एसओपी लागू कर दी गई है।

भाजपा को गर्व है कि अनुच्छेद 370 को समाप्त करने का अवसर मिला : मोदी

पीएम मोदी ने लखनऊ में प्रेरणा स्थान का किया उद्घाटन

भाषा ▶▶। लखनऊ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को गर्व है कि उसकी सरकार को, जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को समाप्त करने का अवसर मिला। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी वर्ष के मौके पर मोदी ने यहां लखनऊ में राष्ट्र प्रेरणा स्थल का लोकार्पण किया और यहां स्थापित पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण कर पुष्पांजलि अर्पित की। मोदी ने मुखर्जी का स्मरण करते हुए कहा, ''मुखर्जी ने देश को दिशा देने में निर्णायक भूमिका निभाई। ये डॉक्टर मुखर्जी ही थे जिन्होंने भारत में दो निशान, दो प्रधान और दो विधान को खारिज कर दिया था। मोदी ने कहा, ''स्वतंत्र भारत के पहले उद्योग मंत्री के रूप में मुखर्जी ने भारत में आर्थिक आत्मनिर्भरता की नींव रखी और देश को पहली औद्योगिक नीति देकर भारत में इसकी बुनियाद रखी।'' उन्होंने जोर देकर कहा ''उप्र में देखिए, एक तरफ 'एक जनपद-एक उत्पाद' का कितना बड़ा अभियान चल रहा है, छोटी छोटी इकाइयों का सामर्थ्य बढ़ रहा है और दूसरी तरफ उप्र में बहुत बड़ा रक्षा गलियारा भी बन रहा है। *(पैकेज पेज-5 पर)*

कांग्रेस ने बीजेपी को अछूत बनाए रखा

- दिल्ली के एक शाही परिवार ने बाबा साहब आंबेडकर का जिक्र इसलिए नहीं किया कि कहीं उनके महत्व में कमी न आ जाए। प्रदेश में यही काम सपा ने किया।
- कांग्रेस ने बीजेपी को अछूत बनाए रखा, लेकिन बीजेपी के संस्कार सभी का सम्मान करना सिखाते हैं। हमारी सरकार ने प्रणव मुखर्जी को भारत रत्न दिया, मुलायम सिंह को भी सम्मानित किया।
- लखनऊ की धमक पूरे विश्व में है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता में ब्रह्मोस मिसाइल का बहुत बड़ा योगदान है। इस मिसाइल का निर्माण लखनऊ में हो रहा है।

नारनौल में 152 डी पर देर रात भीषण सड़क हादसा

ट्रक ने मारी टक्कर, कार में जिंदा जले तीन दोस्त

नारनौल (हरिभूमि न्यूज)। नारनौल में बुधवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसमें एक कार में सवार एडवोकेट और एक कपड़ा व्यापारी समेत 3 लोग जिंदा जल गए। कार को एक ट्रक ने टक्कर मारी थी। यह हादसा नेशनल हाईवे नंबर 152-डी पर टोल प्लाजा से कुछ पर हुआ। ट्रक की टक्कर इतनी भीषण थी कि कार में तुरंत आग लग गई। आग भड़कने से कार सवारों को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिला। साथ ही ट्रक में भी आग लग गई। हालांकि, ट्रक का

ड्राइवर भागने में कामयाब रहा। मृतकों की पहचान नारनौल शहर के पास लगते गांव नीरपुर के रहने वाले एडवोकेट राजकुमार यदुवंशी, कपड़ा व्यापारी रविदत्त उर्फ दारा सिंह और टैक्सी ड्राइवर प्रवीण उर्फ पौमी के रूप में हुई है। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की।

घायल होने से नहीं निकल पाए बाहर

जानकारी के अनुसार, बुधवार रात को एडवोकेट राजकुमार, रविदत्त और उनका ड्राइवर दोस्त एक कार से कहीं गए थे। वहां से रात करीब ढाई बजे वे लौटे। जब वे लौट रहे थे, उसी समय उनकी कार को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मारी। टक्कर लगने से तीनों कार सवार गंभीर रूप से घायल हुए। उनकी गाड़ी के एयरबैग खुल गए। हालांकि, वे इससे पहले कि गाड़ी से निकल पाते, कार ने आग पकड़ ली। कार इतनी तेजी से फैली कि तीनों कार सवारों को कार से निकलने का मौका नहीं मिला।

भारत ने किया के-4 बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण

विशाखापट्टनम (एजेंसी)। भारत ने बंगाल की खाड़ी में न्यूक्लियर पावर्ड सबमरीन आईएनएस अरिघात से 3,500 किलोमीटर रेंज वाली के-4 बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया। रक्षा सूत्रों के हवाले से मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया कि यह टेस्ट मंगलवार को विशाखापट्टनम तट के पास किया गया। भारत जमीन, हवा के बाद अब समुद्र से भी परमाणु हथियार लॉन्च कर सकेगा। ये मिसाइल 2 टन तक न्यूक्लियर वॉरहेड ले जाने में सक्षम है। के-सीरीज की मिसाइलों में "के" अक्षर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के सम्मान में रखा गया है। इनकी भारत के मिसाइल कार्यक्रम में अहम भूमिका रही है।

पनडुब्बी से 3500 किमी की रेंज तक मार करेगी
●
2 टन न्यूक्लियर पेलोड ले जा सकेगी

किसी भी हमले का जवाब देने में सक्षम

के-4 मिसाइल, जमीन से लॉन्च होने वाली अग्नि-सीरीज पर आधारित एक एडवांस सिस्टम मिसाइल है। इसे पनडुब्बी से लॉन्च के लिए बनाया गया है। लॉन्च के समय मिसाइल पहले समुद्र की सतह से बाहर आती है, इसके बाद उड़ान भरते हुए लक्ष्य की ओर बढ़ती है। इसे अरिहंत-क्लास की पनडुब्बियों से दागी जा सकती है। के-4 को भारत की न्यूक्लियर ट्रायड का एक महत्वपूर्ण स्तंभ माना जाता है। इससे भारत की 'डिटेरेंस' क्षमता मजबूत होती है, यानी संभावित दुश्मन पर यह मनोवैज्ञानिक दबाव बनता है कि किसी भी हमले का जवाब दिया जा सकता है।

नई गाइडलाइन के तहत दी गई छूट इंस्टाग्राम पर कमेंट करने की मनाही

सेना के जवानों को मिली सोशल मीडिया इस्तेमाल की इजाजत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना के जवान पांच साल बाद सोशल मीडिया एप्स फिर इस्तेमाल कर सकेंगे। 2020 में लगा बैन कुछ शर्तों के साथ हटा दिया गया है। नई गाइडलाइन के तहत जवान इंस्टाग्राम पर रील, फोटो और वीडियो देख सकेंगे, हालांकि कमेंट करने की अनुमति नहीं है। व्हाट्सएप, टेलीग्राम जैसे एप्स पर गैर-गोपनीय जानकारी शेयर कर सकेंगे। इसके अलावा यूट्यूब और एक्स का इस्तेमाल केवल जानकारी के लिए किया जा सकेगा। वहीं, लिंक्डइन, स्काइप और सिग्नल एप के लिए भी नई गाइडलाइन जारी की गई है।

- ■ व्हाट्सएप पर मैसेज कर सकेंगे
- ■ 5 साल पहले लगाया गया था बैन

संवेदनशील सूचनाएं लीक होने के चलते लगाई थी रोक

दरअसल 2020 में सरकार ने संवेदनशील सूचनाएं लीक होने के खतरे के चलते जवानों और अधिकारियों को 89 एप हटाने का आदेश दिया था। इसमें फेसबुक,

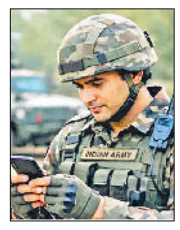

इंस्टाग्राम, टिकटॉक, जूम और पबजी शामिल थे। इन एप के जरिए उस वक्त हनीट्रैप के कई मामले सामने आए थे।
2020 में इसलिए लगाया गया था बैन: 2020 से पहले जवानों के सोशल मीडिया इस्तेमाल करने पर हनी ट्रैप के मामले बढ़ गए थे। सैन्यकर्मियों के सोशल मीडिया पर हनीट्रैप होने के बाद पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई को संवेदनशील सूचनाएं लीक होने की कई घटनाएं हुईं। सेना का दावा था कि एप के जरिए सूचनाएं जुटाकर पाकिस्तान और चीन जैसे पड़ोसी देश सीमा और नियंत्रण रेखा पर लगातार परेशानी पैदा कर रहे थे। इसी वजह से 2024 में सेना ने अपने अधिकारियों व जवानों से आधिकारिक कामकाज में वॉट्सएप के इस्तेमाल से बचने की सलाह दी थी। बाद में पूरी तरह बैन लगा दिया था।

एक करोड़ के इनामी सहित छह नक्सली एनकाउंटर में ढेर

ओडिशा के कंधमाल में सुरक्षाबलों की संयुक्त टीमों ने चलाया अभियान

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के पड़ोसी राज्य ओडिशा के कंधमाल में सुरक्षाबलों ने एनकाउंटर में 6 नक्सलियों को मार गिराया। इनमें 1 करोड़ से ज्यादा का इनामी सेंट्रल कमेटी मेंबर गणेश उईके भी शामिल है। दो महिला नक्सली भी मारी गई हैं। मारे गए नक्सलियों के शव और हथियार बरामद कर लिए गए हैं। सुरक्षाबलों को कंधमाल जिले के चाकापाड़ इलाके में नक्सलियों की मौजूदगी का इनपुट मिला था। इसी इनपुट के आधार पर 23 टीमों को ऑपरेशन के लिए भेजा गया था। इनमें 20 स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप, दो सीआरपीएफ और एक बीएसएफ टीमें शामिल थीं। ऑपरेशन कंधमाल जिले के चाकापाड़ थाना क्षेत्र और गंजाम के राम्भा वन क्षेत्र में चलाया गया। *(विस्तृत पेज-8 पर)*

सुशासन दिवस : कर्मठ अधिकारियों व कर्मचारियों को किया सम्मानित, मुख्यमंत्री ने किया ऐलान

87 शहरी निकायों में एक-एक सार्वजनिक स्थल का नामकरण भारत रत्न वाजपेयी के नाम पर होगा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुरुवार को भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें एक दूरदर्शी राजनेता बताया। उन्होंने कहा अटल जी का जीवन ईमानदारी, लोकतांत्रिक मूल्यों और जन-केंद्रित शासन का प्रतीक रहा। मुख्यमंत्री ने भारत रत्न वाजपेयी को स्मरण करते हुए कहा कि वे अपने विचारों में जितने दृढ़ थे, उतने ही अपने मूल्यों और सिद्धांतों में भी अडिग थे। मुख्यमंत्री पंचकूला में राज्यस्तरीय सुशासन दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भले ही सरकारें आती-जाती रहीं, लेकिन अटल जी हमेशा अपने आदर्शों पर अटल रहे। उनके जीवन को निरंतर प्रेरणा का स्त्रोत बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वाजपेयी की जीवन यात्रा राष्ट्र को मूल्यों, ईमानदारी और सिद्धांतों पर आधारित नेतृत्व का महत्व सिखाती है।

सामुदायिक भवन, पार्क, वाचनालय, सभागार, वृद्धाश्रम और व्यावसायिक स्थल चिन्हित, अटल जी की प्रतिमा भी लगेंगी

सुशासन दिवस के अवसर पर एक महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य के सभी 87 शहरी स्थानीय निकायों में कम से कम एक सार्वजनिक स्थल का नामकरण अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर किया जाएगा। उनमें अटल प्रतिमाएं भी स्थापित की जाएंगी, ताकि उनके लोकतंत्र, राष्ट्रीय एकता और पारदर्शी शासन के आदर्श समाज का मार्गदर्शन करते रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज सभी निकायों में एक ऐसे सामुदायिक भवन, पार्क, वाचनालय, सभागार, वृद्धाश्रम या व्यावसायिक स्थल को चिन्हित कर लिया गया है और अगले 6 माह में अटल की स्मृति में इस फैसले को लागू कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के विभागों को 'डिजिटल हरियाणा' के सपने को हकीकत में बदलने में दिए गए उनके योगदान के लिए 9 गुड गवर्नेंस अवॉर्ड प्रदान किए।

फतेहगढ़ साहिब गुरुद्वारे में माथा टेका

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पंजाब के फतेहगढ़ साहिब में गुरुद्वारे में पहुंचकर माथा टेका। इस मौके पर गुरुद्वारा प्रबंधक समिति ने उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। सीएम ने कहा कि सरकार गुरुओं की शिक्षाओं की शिक्षाओं का प्रसार कर रही है।

गीता महोत्सव का विदेशों में होगा आयोजन, प्रदेश के प्रमुख मंदिरों में भी होंगे कार्यक्रम : मुख्यमंत्री

■ मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती मेला प्राधिकरण व कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड की बैठक

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार विदेश मंत्रालय के साथ मिलकर आगामी समय में विदेशों और कुरुक्षेत्र में और भव्य तरीके के साथ अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव-2026 का आयोजन करेगी। इस महोत्सव के जरिए पवित्र ग्रंथ गीता के संदेश को देश विदेश के आमजन तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। इसके लिए प्रदेश सरकार अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव का आयोजन करने के लिए पूरी योजना तैयार करेगी। अहम पहलू यह है कि अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव 2026 के सरस और शिल्प मेले का आयोजन 5 दिसंबर से 25 दिसंबर 2026 तक किया जाएगा। इस महोत्सव के मुख्य कार्यक्रम 14 दिसंबर से 20 दिसंबर 2026 तक आयोजित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री चंडीगढ़ स्थित आवास संत कबीर कुटीर पर अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती मेला प्राधिकरण व कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड की बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के साथ अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव 2026 के आयोजन बारे विस्तार से चर्चा की।

कांग्रेस के पदाधिकारियों की सूची जल्द, हाईकमान ने नाम मांगे

योगेंद्र शर्मा ▶▶ चंडीगढ़

■ नेताओं के बीच संतुलन बनाने की चुनौती

हरियाणा कांग्रेस की ओर से जल्द प्रदेश पदाधिकारियों की नियुक्ति सूची जारी करने की तैयारी है। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र ने जल्द ही सूची जारी करने के संकेत दिए हैं, बताया गया है कि प्रदेश के कांग्रेसी सियासी दिग्गजों से कांग्रेसी हाईकमान द्वारा नाम मांगे गए थे। फिलहाल, प्रदेश के नेताओं द्वारा नाम नहीं भेजे हैं, इंतजार के बाद हाईकमान की ओर से पीसीसी चीफ द्वारा दिए गए नामों पर मुहर लगा दिए जाने की तैयारी है। भरोसेमंद सूत्रों का कहना है कि हरियाणा प्रदेश में कांग्रेस हाईकमान राज्य के सभी प्रमुख नेताओं की ओर से सुझाए गए नामों को भी शामिल करने के हक में हैं। हाईकमान सूबे में इस तरह की कार्यकारिणी गठित करने के हक में है, जिसमें संतुलन बना रहे और सभी नेताओं को सहमति भी रहे। अर्थात इस बार कार्यकारिणी में किसी नेता विशेष का दबदबा अथवा उपेक्षा वाली बात नहीं रहे। साथ ही आने वाले समय में सभी मिलकर पार्टी संगठन को मजबूत करने के साथ ही हरियाणा में विपक्ष के तौर पर मजबूत भूमिका अदा करें। सूत्रों का कहना है कि कई बार नाम मांगे जाने के बाद भी हाईकमान को प्रदेश के कई वरिष्ठ नेताओं की ओर से नामों की सूची नहीं दी गई है। इस तरह से सूची में भी विलंब हो रहा है। कुल मिलाकर अपनी पसंद के नाम नहीं दिये हैं।

दिग्गजों की पसंद को तरजीह मिलेगी

कांग्रेस हाईकमान ने जिलाध्यक्षों की नियुक्ति करते समय निष्पक्षता और पारदर्शिता के दावे किए थे। लेकिन प्रदेश पदाधिकारियों की सूची जारी करने से पहले जिस तरह राज्य के प्रमुख नेताओं से पसंद की सूची मांगी जा रही है, उससे साफ हो गया है कि कांग्रेस पुराने रास्ते और सभी को मनाने संतुलन बनाने वाले ढर्रे पर चल रही है। यहां पर याद रहे कि हरियाणा मामलों के प्रभारी बीके हरिप्रसाद ने हाल ही में नेशनल टैलेंट हंट कार्यक्रम में हिस्सा लिया था और खुद की मौजूदगी में युवा नेताओं से चर्चा की थी।

ये बोले प्रदेश अध्यक्ष

चंडीगढ़ पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने जल्दी ही प्रदेश पदाधिकारियों की सूची जारी कर दिए जाने के संकेत अभी और पहले भी दिए हैं। लेकिन 2025 बीतने में अब चंद दिन शेष रह गए हैं, इसलिए वे मुस्कुराकर कोई भी अंतिम तारीख तो बताना नहीं चाहते लेकिन नए साल में सूची जारी कर देने के संकेत जरूर दे रहे हैं। अवधि तो नहीं बताई जा रही लेकिन नये साल के पहले माह के अंत तक कांग्रेस के प्रदेश पदाधिकारियों की सूची जारी होने की बात कही जा रही है। हाईकमान के पास राज्य के प्रमुख नेताओं ने पसंद के नाम नहीं भेजे तो प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र और उनकी टी द्वारा तैयार की गई सूची को ही अर्थात उनकी पसंद के पदाधिकारियों को कमेटी में शामिल कर फाइनल सूची जारी कर दी जाएगी। इसकी तैयारी चल रही है।

हादसे का मुआवजा निर्धारण यांत्रिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि पीड़ित परिवार को न्यायसंगत और यथोचित राहत देने का माध्यम

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने मोटर वाहन दुर्घटना में मृत युवक शाकिर उर्फ मोहम्मद शाकिर के परिजनों को दिए गए मुआवजे को बढ़ाते हुए अहम टिप्पणी की है कि मुआवजा निर्धारण कोई यांत्रिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि पीड़ित परिवार को न्यायसंगत और यथोचित राहत देने का माध्यम है।

हाईकोर्ट ने मुआवजा बढ़ाया 4.78 लाख अतिरिक्त देने के आदेश

जस्टिस सुदीप्ति शर्मा ने नूंह स्थित मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के पांच अप्रैल 2024 के मुआवजा आदेश में संशोधन करते हुए कुल मुआवजा राशि 18 लाख 16 हजार 48 रुपये से बढ़ाकर 22 लाख 94 हजार 300 रुपये कर दिया है। इस प्रकार पीड़ित परिवार को चार लाख 78 हजार 252 रुपये की अतिरिक्त राशि देने के आदेश दिए गए हैं। 29 दिसंबर 2018 को हुई सड़क दुर्घटना में शाकिर की मौत हो गई थी। परिजनों ने मोटर वाहन अधिनियम 1988 की धारा 166 के तहत मुआवजे की मांग की थी। ट्रिब्यूनल ने मृतक की आय को अकुशल श्रमिक मानते हुए मुआवजा तय किया था। हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया कि रिकार्ड पर मौजूद मृतक का ड्राइविंग लाइसेंस यह दर्शाता है कि वह कुशल चालक था। ऐसे में उसकी आय का आकलन अकुशल श्रमिक की बजाय कुशल श्रमिक के न्यूनतम वेतन के आधार पर होना चाहिए।

27 कुख्यात बदमाशों सहित 342 आरोपी पकड़े

चंडीगढ़। प्रदेश में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से हरियाणा पुलिस ने 24 दिसंबर को राज्यव्यापी सघन चेकिंग एवं छापेमारी अभियान चलाकर अपराधियों के नेटवर्क पर कड़ा प्रहार किया। इस व्यापक कार्रवाई में पुलिस ने विभिन्न जिलों से कुल 342 आरोपियों को गिरफ्तार किया। इस अभियान ने न केवल वांछित अपराधियों को सलाखों के पीछे पहुंचाया, बल्कि आमजन में सुरक्षा और विश्वास का मजबूत संदेश भी दिया। अभियान की सबसे बड़ी उपलब्धि जघन्य एवं हिंसक अपराधों में संलिप्त 27 वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी रही। सिरसा, कैथल और हिसार जैसे संवेदनशील जिलों में तीन-तीन हिंसक अपराधियों की गिरफ्तारी कर पुलिस ने यह स्पष्ट कर दिया कि अपराधियों के लिए प्रदेश में कोई सुरक्षित ठिकाना नहीं है। राज्य में अपराध ग्राफ को नीचे लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई है।

लंबित मांगों को लेकर रोडवेज कर्मियों ने किया प्रदर्शन

चंडीगढ़। हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन लंबित मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ पूर्व प्रधान मोती राम की अध्यक्षता मे पंचकूला डिपो में मोर्चा खोल दिया है। यूनियन के आह्वान पर बृहस्पतिवार को पंचकूला डिपो में कर्मचारी द्वारा एक दिवसीय भूख हड़ताल की गई। यह कदम सरकार द्वारा बार-बार की बैठकों के बावजूद मांगों पर ठोस कार्रवाई न करने और आधिकारिक पत्र (नोटिफिकेशन) जारी न करने के विरोध में उठाया है। डिपो पूर्व प्रधान श्रवण कुमार जांगड़ा ने बताया कि सरकार के साथ हुई पिछली बैठकों में 33 में से कुछ महत्वपूर्ण मांगों पर सहमति तो बन गई थी।

महाराजा सूरजमल ने भारत को एक राष्ट्र के रूप में देखा : डॉ. मलिक

पंचकूला। जाट सभा पंचकूला व चंडीगढ़ के प्रधान डॉ महेंद्र सिंह मलिक ने कहा कि महाराजा सूरजमल अपने समय के एक महान योद्धा, एक महान राजनयिक और एक महान राजनेता थे। उन्होंने भारत को एक राष्ट्र्र के रूप में देखा। उनमें राजनीतिक समझ, स्थिर बुद्धि और स्पष्ट दृष्टि थी। डॉ मलिक यहां सेक्टर 6 स्थित चौधरी छोटूराम भवन में महाराजा सूरजमल बलिदान दिवस पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। इस अवसर पर यज्ञ भी किया गया। मलिक ने कहा कि वे किसी एक कौम या क्षेत्र के राजा नहीं थे बल्कि उन्होंने हिंदू , सिख और मुस्लिम समाज के विभिन्न गुटों को एकजुट किया और उन्हें एक साथ बनाए रखा।

पीएम ने सांसद खेल महोत्सव को देशव्यापी जनआंदोलन बताया, सिरसा लोकसभा के खिलाड़ियों से ऑनलाइन जुड़े

पीएम मोदी ने बॉक्सर नीरज से किया संवाद कहा-खेल को मस्ती व सीख के साथ जारी रखें

पीएम ने कहा कि 2036 में भारत ओलंपिक की मेजबानी करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, ओलंपिक में आज के वे युवा शामिल होंगे जो अभी 10-12 आयुवर्ग के हैं। नीरज ने भी किया ओलंपिक मेडल का वादा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फतेहाबाद जिले के टोहाना खंड के गांव समैन में सांसद खेल महोत्सव के समापन अवसर पर वर्चुअली कहा कि यह आयोजन अब देश में एक जनआंदोलन बन चुका है, जिसमें एक करोड़ से अधिक युवाओं ने पंजीकरण व भागीदारी कर एक नया उत्साह दिखाया है। प्रधानमंत्री ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि खेल न केवल जीत या हार का माध्यम है, बल्कि यह खेल भावना, अनुशासन और व्यक्तित्व निर्माण का सबसे अच्छा साधन है, जो युवाओं को जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है और देश के निर्माण में योगदान देने के लिए तैयार करता है।

समापन समारोह में पीएम ने बॉक्सर नीरज के साथ एक भावपूर्ण संवाद किया। गांव डांगरा के युवा बॉक्सर नीरज, जिन्होंने अपनी प्रतिभा के दम पर नेशनल स्तर पर नाम कमाया है, प्रधानमंत्री से सीधे बात करने का मौका प्राप्त हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने नीरज का पारंपरिक 'राम-राम' कहकर अभिवादन किया। जब नीरज ने पीएम से पूछा 'कैसे हैं?', इस पर प्रधानमंत्री ने हंसते हुए कहा, 'मैं तेरे जैसा ही हूं।' इससे समारोह स्थल पर उपस्थित सभी में जोश और उत्साह देखने को मिला। प्रधानमंत्री ने नीरज से पूछा कि क्या वह खेल में ही अपना कॅरियर बनाना चाहते हैं? नीरज ने कहा कि वह देश के लिए ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतना चाहते हैं। प्रधानमंत्री ने ओलिंपिक में भारत का नाम रोशन करने वाले महान खिलाड़ियों विशेषकर हरियाणा की खेल परंपरा का उल्लेख करते हुए नीरज को प्रोत्साहित किया। नीरज ने कहा कि वह इंटरनेशनल बॉक्सर के मैच भी देखते हैं और उनसे प्रेरणा लेते हैं। प्रधानमंत्री ने मजाक में कहा कि अगर मोबाइल देखते हो तो पिताजी कहेंगे 'जाओ खेलो!' इस पर भी दोनों के बीच हंसी-मजाक का अवसर हुआ।

सांसद खेल महोत्सव से मिली प्रेरणा : नीरज

प्रधानमंत्री ने राज्यसभा सांसद सुभाष बराला द्वारा आयोजित कराए गए सिरसा लोकसभा क्षेत्र के सांसद खेल महोत्सव के बारे में जानकारी ली। नीरज ने प्रधानमंत्री को बताया कि महोत्सव में हर सुविधा उपलब्ध कराई गई। नीरज ने जवाब दिया कि राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने बड़ा तगड़ा आयोजन कर रखा था, सारी सुविधाएं दी गई। सभी खिलाड़ियों को इस खेल महोत्सव में हिस्सा लेकर आंनद आ गया। नीरज ने स्पष्ट किया कि वह अगले ओलिंपिक में देश के लिए मेडल लाने की पूरी कोशिश करेंगे, जिसके लिए प्रधानमंत्री ने भी उन्हें शुभकामनाएं दीं और कहा कि उनसे किसी बात को दबाव की तरह न लें, बल्कि खेल को मस्ती और सीख के साथ जारी रखें। पीएम ने कहा कि 2036 भारत ओलंपिक की मेजबानी करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इस ओलंपिक में आज के वे युवा शामिल होंगे जो अभी 10-12 आयुवर्ग के हैं। उन्होंने प्रतिभाओं को निखारने का आह्वान किया।

टॉप-5 में रहा सिरसा लोकसभा

देश भर में प्रधानमंत्री के आह्वान पर आयोजित हो रहे सांसद खेल महोत्सव में सिरसा लोकसभा क्षेत्र टॉप-5 में रहा है। यहां राज्यसभा सांसद सुभाष बराला के नेतृत्व में खेलों का आयोजन हुआ। पहले गांव, फिर विधानसभा और उसके बाद लोकसभा स्तर पर मुकाबले करवाए गए। करीब 45 हजार खिलाड़ियों ने इसमें रजिस्ट्रेशन करवाया। समापन समारोह में प्रधानमंत्री ने देश के सर्वश्रेष्ठ चार राज्यों के खिलाड़ियों से संवाद किया, इसमें से हरियाणा के सिरसा लोकसभा क्षेत्र के खिलाड़ी नीरज बॉक्सर हैं।

सांसद ने कबड्डी के इंडोर हॉल के लिए दिए 21 लाख

सांसद खेल महोत्सव के समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने आज के दिन को ऐतिहासिक और यादगार बताया। उन्होंने कहा कि लगभग 120 दिन तक 30 स्टेडियम में आयोजित हुए सांसद खेल महोत्सव के समापन समारोह में देश के प्रधानमंत्री ने युवाओं को प्रोत्साहित किया है इससे उनके नई ऊर्जा का संचार हुआ है। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए ख़ासकर इलाके के युवाओं के लिए ऐतिहासिक है कि प्रधानमंत्री हमसे सीधे जुड़े हैं और हमारे क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं की पहचान करने और उन्हें निखारने के लिए राष्ट्रीय पहचान दी है। सांसद ने गांव समैन में कबड्डी के इंडोर हाल निर्माण के लिए 21 लाख रुपये सांसद निधि से देने की घोषणा की।

कार्यक्रम में यह रहे मौजूद

इस अवसर पर हरकोफेड के चेयरमैन वेद फुलां, एसडीएम आकाश शर्मा, सरपंच रणबीर गिल, रिंकू मान, सूबे सिंह समेन, विनीत काका सिंगला, रमन मड़िया, कुलदीप डांगरा, जगदीप बराला, कुलदीप कमांडों, किले सिंह बराला, डीएसओ विष्णुदास, सुरेश कोच, विजय हरिपाल, जोरा सिंह समैन, हरविंदर लाली, सुरेश छिरंग, अनूप सिंह, सुभाष खीचड़, अनिल सिहाग, धर्म सिंह सैनी, विक्रम प्रभाकर, राजबीर सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

रोहतक में दो हत्याओं से फैली दहशत

गाड़ी साइड करने को लेकर व्यापारी की हत्या, भाई ने ब्यूटी पार्लर में बहन का गला रेता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

जिले में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुई दो सनसनीखेज हत्याओं ने शहर की कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। एक ओर गाड़ी साइड देने के मामूली विवाद में फूल व्यापारी की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई, वहीं दूसरी ओर एक ब्यूटी पार्लर संचालिका की उसके ही सगे भाई ने दिनदहाड़े गला रेतकर हत्या कर दी। पुलिस ने दोनों मामलों में हत्या का केस दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

पहली वारदात सिविल लाइन थाना क्षेत्र की दुर्गा कॉलोनी के पास हुई। यहां 22 वर्षीय फूल व्यापारी अंकित की गली में गाड़ी साइड करवाने के मामले में दो युवकों से झगड़ा हो गया। आरोपियों ने पहले अंकित पर पिस्टल तानकर गोली चलाने की कोशिश की, लेकिन फायर नहीं हुआ। इसके बाद चाकू से ताबड़तोड़ वार किए गए। गंभीर हालत में अंकित को पीजीआई ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने गांव किलोई निवासी सुमित और बोहर निवासी राहुल को गिरफ्तार कर लिया है। अंकित तीन बहनों का इकलौता भाई था। पुलिस अधिकारियों के अनुसार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

बचाने आई कर्मचारी को भी किया घायल

रोहतक शहर के व्यस्त माता दरवाजा चौक क्षेत्र में ब्यूटी पार्लर संचालिका माया (32) की उसके सगे भाई लाला ने गला रेतकर हत्या कर दी। वारदात के समय माया अपने पार्लर में मौजूद थी। विवाद के दौरान आरोपी ने तेजधार हथियार से हमला किया। बीच-बचाव में आई पार्लर कर्मी युवती लक्ष्मी भी गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि माया तलाकशुदा थी। पार्लर में किसी बात को लेकर उसका भाई के साथ झगड़ा हुआ था। दोनों मामलों में पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाकर जांच शुरू कर दी है।

सुसरालियों से परेशान डॉक्टर ने जहरीला इंजेक्शन लगाकर जान दी

- सुसाइड नोट में पत्नी, सास, साले व मामा को जिम्मेदार ठहराया, पुलिस की जांच शुरू
- अनबन के चलते तीन साल से मायके में रह रही थी पत्नी, बच्चे से भी मिलने नहीं देने का भाई ने लगाया आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

पानीपत के न्यू बसंत नगर निवासी डॉ. सौरभ जैन ने जहरीला इंजेक्शन लगाकर सुसाइड कर लिया। उन्होंने मरने से पहले पत्नी व ससुरालियों के नाम लिखकर एक पेज का सुसाइड नोट अपने भाई गौरव जैन को व्हाट्सएप पर भेज दिया। इधर, परिजन तत्काल डॉ. सौरभ के घर पहुंचे और उन्हें निजी अस्पताल ले गए, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। डॉ. सौरभ इसी निजी अस्पताल में प्रैक्टिस करते थे। इधर, पुलिस व एफएसएल की टीम ने घटनास्थल की जांच की। सुसाइड नोट में डॉ. सौरभ जैन ने अपनी मौत के लिए पत्नी डिंपल, सास रेनु जैन, साले शुभम और पत्नी के मामा टीटू बनिया निवासी बुद्ध विहार कॉलोनी, गन्नौर जिला सोनीपत को जिम्मेदार ठहराया है।

इधर, डॉ. सौरभ के भाई गौरव ने बताया कि उनकी भाभी डिंपल व भाई सौरभ के बीच पिछले तीन साल से अनबन चल रही थी और डिंपल तीन सालों से अपने मायके में रह रही है। वह डॉ. सौरभ पर लगातार प्रॉपर्टी अपने नाम करवाने का दबाव बना रही थी। पत्नी डिंपल ने सौरभ को भी उनके बच्चे से नहीं मिलने दिया। इसके चलते डॉ. सौरभ डिप्रेशन में थे। इधर, पुलिस ने इस केस की जांच शुरू कर दी है।

अध्यापक पात्रता परीक्षा के लिए आवेदन हुए लाइव

भिवानी। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी द्वारा हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा-2025 (एचटेट) लेवल-1, 2 व 3 के लिए आवेदन 24 दिसम्बर, 2025 से लाइव कर दिए गए हैं। परीक्षा से सम्बन्धित सूचना बुलेटिन बोर्ड की अधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। बोर्ड अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) पवन कुमार एवं उपाध्यक्ष सतीश शाहपुर ने संयुक्त रूप से यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा के लिए इच्छुक अभ्यर्थी बोर्ड की अधिकारिक वेबसाइट पर दिए गए लिंक के माध्यम से महत्वपूर्ण निर्देशों को ध्यान से पढ़कर/समझकर 04 जनवरी, 2026 (रात्रि 12:00 बजे) तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा हेतु अभ्यर्थी यदि एक लेवल के लिए आवेदन करता है तो उसे 1000 रुपये, दो लेवलों के लिए 1800 रुपये तथा तीनों लेवलों के लिए 2400 रुपये शुल्क के साथ ऑनलाइन आवेदन करना होगा। इसी प्रकार हरियाणा के अनुसूचित जाति वर्ग से संबंधित तथा दिव्यांग अभ्यर्थी यदि एक लेवल के लिए आवेदन करता है तो उसे 500 रुपये, दो लेवलों के लिए 900 रुपये तथा तीनों लेवलों के लिए 1200 रुपये शुल्क के साथ ऑनलाइन आवेदन करना होगा। ऑनलाइन आवेदन करने से पूर्व अभ्यर्थी सूचना में दर्शाए गए महत्वपूर्ण निर्देशों को ध्यान से पढ़कर/समझकर अपनी पात्रता सुनिश्चित कर लें। ऑनलाइन आवेदन व परीक्षा शुल्क के सफलतापूर्वक जमा करने के बाद अभ्यर्थी पुष्टिकरण पृष्ठ का प्रिंट लेना सुनिश्चित कर लें। उन्होंने आगे बताया कि अभ्यर्थी अपने विवरण, फोटो, हस्ताक्षर, अंगूठे का निशान, लेवल, विषय के चयन (लेवल 2 व 3), जाति वर्ग, दिव्यांग श्रेणी व गृह राज्य में 4 व 5 जनवरी, 2026 को ऑनलाइन संशोधन कर सकते हैं।

रिटायर्ड ब्रिगेडियर बेटे ने दी मुखाग्नि

देश के लिए 3 लड़ाइयां लड़ने वाले कैप्टन गाहड़ सिंह का निधन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भट्टूकलां

सेना में रहकर तीन लड़ाइयां लड़ने वाले कैप्टन गाहड़ सिंह हमारे बीच नहीं रहे। भट्टूकलां निवासी कैप्टन गाहड़ सिंह का 24 दिसंबर को 88 वर्ष की आयु में निधन हो गया। आज गमगीन माहौल में उनके बेटे रिटायर्ड ब्रिगेडियर धर्मबीर ने उन्हें मुखाग्नि दी। इस अवसर पर काफी संख्या में पहुंचे क्षेत्रवासियों ने उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए।

भट्टूकलां। कैप्टन गाहड़ सिंह को अंतिम विदाई देते परिजन।

भट्टूकलां निवासी कैप्टन गाहड़ सिंह ने वर्ष 1961 में उन्होंने भारतीय सेना के एजुकेशन कोर में हवलदार के पद पर भर्ती होकर राष्ट्र सेवा की राह चुनी। भर्ती के बाद उन्हें प्रशिक्षण के लिए फर्स्ट जाट यूनिट के साथ भेजा गया, जहां से उनके सैन्य जीवन की असली परीक्षा शुरू हुई। साल 1962 आया और देश को चीन के साथ युद्ध का सामना करना पड़ा। कैप्टन गाहड़ सिंह ने इस युद्ध में पूरे साहस और कर्तव्यनिष्ठा के साथ भाग लिया। इसके कुछ ही वर्षों बाद, 1965 में वे जम्मू-कश्मीर में तैनात थे, जहां पाकिस्तान के साथ हुए दूसरे युद्ध में भी उन्होंने वीरता से देश की रक्षा की। समय के साथ वे अलग-अलग यूनिटों में सेवाएं देते रहे। एजुकेशन हवलदार से लेकर एजुकेशन जेसीओ तक के पदों पर रहते हुए उन्होंने सैनिकों को शिक्षित किया। 1971 के युद्ध में उन्होंने एक इन्फेंट्री यूनिट के साथ मिलकर दुश्मन का सामना किया।

लगभग तीन दशकों की निःस्वार्थ सेवा के बाद, 1988 में कैप्टन गाहड़ सिंह सेवानिवृत्त हुए। वे केवल एक वीर सैनिक ही नहीं, बल्कि वॉलीबॉल के धुरंधर खिलाड़ी भी थे। सेना में भर्ती होने से पहले वे कंबाइंड पंजाब स्टेट की ओर से नेशनल लेवल वॉलीबॉल खिलाड़ी के रूप में देश का प्रतिनिधित्व कर चुके थे।

मोदी के नेतृत्व में 2025 के सुधार: विकसित भारत की ओर बढ़ते तेज कदम

वर्ष 2025 को एक ऐसे वर्ष के रूप में याद किया जाएगा, जब भारत ने बड़े संकल्पों, तीव्र गति और गहरे सुधारों को लागू करने का रास्ता चुना। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, यह एक ऐसा निर्णायक मोड़ साबित हुआ जब देश ने पुराने और अप्रसंगिक कानूनों की परतों को उतार फेंका, अपनी कर और नियामक व्यवस्थाओं को सरल बनाया, उद्योगों के लिए नए द्वार खोले और शासन व्यवस्था को एक आत्मविश्वास से भरे राष्ट्र की आकांक्षाओं के अनुरूप ढाल दिया। यह वह वर्ष था जब भारत का आर्थिक दर्शन स्पष्टता, व्यापकता और वैश्विक महत्वाकांक्षा की ओर अग्रसर हुआ। इसका प्रभाव ग्रामीण भारत, उद्योगों, लेबर मार्केट और उन उभरते क्षेत्रों में महसूस किया गया जो भविष्य को आकार देंगे। 15 अगस्त को प्रधानमंत्री मोदी द्वारा नियामक सुधारों और 21वीं सदी के भारत के लिए कानूनों को नए सिरे से तैयार करने का जो आह्वान किया गया था, उसकी गूँज इन सुधारों में स्पष्ट रूप से दिखाई दी। सभी वैश्विक अनुमानों को पीछे छोड़ते हुए, भारतीय अर्थव्यवस्था ने साल 2025 में 8.2 प्रतिशत की आश्चर्यजनक जीडीपी वृद्धि दर्ज की। यह कराधान से लेकर श्रम सुधारों तक, बंदरगाहों के आधुनिकीकरण से लेकर परमाणु ऊर्जा तक और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश से लेकर मुक्त व्यापार समझौतों के साथ-साथ महत्वपूर्ण डीरेगुलेशन जैसे ऐतिहासिक सुधारों के जरिए अर्थव्यवस्था में नए प्राण फूंकने का परिणाम था।

भारत ने बड़े संकल्पों, तीव्र गति और गहरे सुधारों को लागू करने का रास्ता चुना

अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार : एक सरल, न्यायसंगत व पारदर्शी व्यवस्था

वर्ष 2025 में भारत की जीएसटी व्यवस्था में अब तक का सबसे महत्वपूर्ण सरलीकरण देखा गया। 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत के दो स्पष्ट स्लैब वाली संरचना को अपनाने से परिवारों, एमएसएमई, किसानों और श्रम-प्रधान क्षेत्रों पर कर का बोझ कम हुआ। इस सुधार का उद्देश्य विवादों को कम करना, कर अनुपालन में सुधार करना और डिजिटल निगरानी को मजबूत करना था, जबकि वित्तीय संतुलन बनाए रखने के लिए सिन गुड्स को इस नई संरचना से बाहर रखा गया। इसका सीधा प्रभाव कंज्यूमर सेंटिमेंट में दिखाई दिया, जहाँ भारत में दिवाली पर 6.05 ट्रिलियन की रिकॉर्ड बिक्री हुई और पिछले एक दशक में नवरात्रि की सबसे शानदार बिक्री देखी गई।

आयकर क्रांति: मध्यम वर्ग को बड़ी राहत

वर्ष 2025 भारत के मध्यम वर्ग के लिए एक क्रांतिकारी बदलाव लेकर आया, जिसमें एक ऐसा आयकर का ऐसा फ्रेमवर्क प्रस्तुत किया गया जो अंततः मॉडर्न घरेलू बजट की वास्तविकताओं को दर्शाता है। इतिहास में पहली बार, 12 लाख तक की वार्षिक आय वाले लोगों को कोई आयकर नहीं देना पड़ा। इसने न केवल परिवारों के लिए महत्वपूर्ण बचत के द्वार खोले, बल्कि उन्हें अधिक आत्मविश्वास के साथ भविष्य की योजना बनाने, निवेश करने और खर्च करने की वित्तीय स्वतंत्रता भी प्रदान की। इसके साथ ही, भारत ने 4,000 से अधिक संशोधनों और हजारों जटिलताओं के बोझ तले दबे 1961 के पुराने आयकर अधिनियम को बदलकर आधुनिक और सरल ,आयकर अधिनियम, 2025 को लागू किया।

श्रम सुधार : भारत की विकास गाथा के केंद्र में श्रमिक

वर्ष 2025 वह पहला वर्ष बना जब श्रम संहिताओं ने भारत के कार्य-जगत को प्रत्यक्ष और निर्णायक रूप से एक नया आकार दिया। 29 जटिल एवं अलग-अलग कानूनों को चार आधुनिक संहिताओं में समाहित करके, भारत ने एक ऐसा लेबर फ्रेमवर्क तैयार किया जो बिजनेस के लिए अधिक स्पष्ट और श्रमिकों के लिए अधिक सुरक्षित है। उचित वेतन, सुगम औद्योगिक संबंधों, व्यापक सामाजिक सुरक्षा और सुरक्षित कार्यस्थलों पर अधिक बल देते हुए, ये सुधार भारत के श्रम बाजार को 64.33 करोड़ की बढ़ती श्रमशक्ति की सहायता करने, महिलाओं की उच्च भागीदारी को प्रोत्साहित करने और अर्थव्यवस्था के विस्तार के साथ-साथ बेरोजगारी के स्तर को कम बनाए रखने के लिए तैयार करते हैं।

बिल्डिंग परमिट और पर्यावरणीय स्वीकृति में सुधार

मोदी सरकार ने हरित क्षेत्र के लिए पहले से अनिवार्य 33 प्रतिशत की एकसमान शर्त में ढील देकर और उद्योग की प्रदूषण क्षमता के आधार पर एक विभेदित प्रणाली शुरू करके विनिर्माण इकाइयों के निर्माण के नियमों को सरल बना दिया है। इस कदम से लगभग 1.2 लाख हेक्टेयर औद्योगिक भूमि उपयोग के लिए उपलब्ध होगी, परियोजना लागत में 20 प्रतिशत तक की कमी आएगी और 20-30 लाख करोड़ के निवेश को गति मिलेगी। किसी इंडस्ट्रियल पार्क में मौजूद अलग-अलग इंडस्ट्रियल यूनिट्स, जिसने पहले ही व्यापक पर्यावरणीय स्वीकृति (ईसी) प्राप्त कर ली है, उन्हें आम तौर पर अलग से पर्यावरणीय स्वीकृति लेने की आवश्यकता नहीं होगी। यह कदम, विशेष रूप से टाइम-सेंसिटिव सेक्टर्स में, पर्यावरणीय स्वीकृति मिलने में होने वाली देरी के कारण निवेश और रोजगार में होने वाले नुकसान को रोकेगा और समय की 6 से 18 महीने तक की बचत करेगा।

खबर संक्षेप

नेशनल टेस्ट हाउस का भारतीय डाक से करार

नई दिल्ली। गुणवत्ता परीक्षण सेवा प्रदाता नेशनल टेस्ट हाउस (एनटीएच) ने कच्चे माल और औद्योगिक उत्पादों के नमूनों के संग्रह तथा उन्हें अधिकृत प्रयोगशालाओं तक सुरक्षित और समय पर पहुंचाने के लिए भारतीय डाक के साथ एक समझौता किया है। आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

नाल्को से उत्पादन लक्ष्य पूरा करने का आग्रह

नई दिल्ली। खान सचिव पीयूष गोयल ने सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी नाल्को की विस्तार योजनाओं और उनके प्रदर्शन की समीक्षा करते हुए विस्तार परियोजनाओं को समय पर पूरा करने, उत्पादन लक्ष्यों को हासिल करने और परिचालन दक्षता को व्यवस्थित रूप से बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

मैजिकपिन ने दिल्ली, मुंबई में मेट्रो टिकट बुकिंग की शुरू

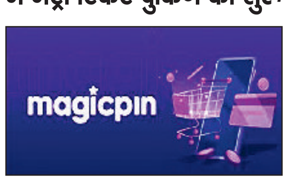

नई दिल्ली। ई-कॉमर्स कंपनी मैजिकपिन ने दिल्ली और मुंबई में मेट्रो टिकट बुकिंग सेवा शुरू करने की बृहस्पतिवार को जानकारी दी। कंपनी सरकार समर्थित 'ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स' के माध्यम से अपने मंच पर बेहद रियायती दरों पर टिकट उपलब्ध करा रही है। प्रतिस्पर्धियों पेटीएम, अमेजन, फोनपे, रैपिडो के मंच पर भी उपलब्ध है।

व्यापक सुधार के तहत जीएसटी दरों में भारी कटौती की गई

भारत ने 2025 में कर व्यवस्था में किया बदलाव नया आयकर अधिनियम 1 अप्रैल से होगा लागू

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत ने 2025 में अपने कर ढांचे में व्यापक सुधार किया जिसमें माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में भारी कटौती और आयकर छूट शामिल है। अब ध्यान आगामी बजट में सीमा शुल्क में तर्कसंगत सुधार और प्रक्रियाओं को सरल बनाने पर है।

अगले वर्ष एक अप्रैल से नया सरलीकृत आयकर अधिनियम, 2025 लागू होगा जो छह दशक से अधिक पुराने, वर्तमान आयकर अधिनियम 1961 की जगह लेगा। साथ ही दो नए कानून, सिगरेट पर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क लगाने के लिए और पान मसाला पर जीएसटी दरों के अतिरिक्त शुल्क लगाने के लिए सरकार द्वारा तय की गई तिथि से लागू किए जाएंगे। सरकार द्वारा 2025 में लागू किए गए कर सुधारों का उद्देश्य चुनौतीपूर्ण वैश्विक आर्थिक वातावरण के बीच मांग को प्रोत्साहित करना था।

सरकार ने चालू वित्त वर्ष में आयकर छूट का दायरा बढ़ाया

आगामी बजट में सीमा शुल्क में तर्कसंगत सुधार व प्रक्रिया सरल बनाने पर होगा जोर

एक अप्रैल से नया सरलीकृत आयकर अधिनियम लागू होगा जो छह दशक पुराना है

सामान्य उपभोग की वस्तुओं पर कर बोझ कम हुआ

शुल्क से जुड़ी अनिश्चितताओं के कारण आर्थिक निर्णय लेने पर असर पड़ने से भारत के कर सुधार उपायों ने घरेलू मांग बढ़ाने, उपभोग को प्रोत्साहित करने और वृद्धि का समर्थन करने पर ध्यान केंद्रित किया। इस साल एक प्रमुख विशेषता सितंबर 22 से लगभग 375 माल एवं सेवाओं पर जीएसटी दरों में कटौती रही जिससे सामान्य उपयोग की वस्तुओं पर कर का बोझ कम हुआ और लंबे समय से जारी उल्टी कर संरचनाओं (इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर) की चिंताओं का समाधान हुआ।

सीमा शुल्क सरलीकरण पर जोर

इस कदम को उपभोग को बढ़ावा देने वाला माना गया (विशेष रूप से शहरी परिवारों के लिए) साथ ही सरलीकृत कर व्यवस्था के तहत स्वैच्छिक अनुपालन को मजबूत करने वाला भी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल ही में कहा कि सीमा शुल्क का सरलीकरण सरकार का सुधार का अगला बड़ा लक्ष्य होगा।

जीएसटी संग्रह अप्रैल में रिकॉर्ड 2.37 लाख करोड़ रहा

संग्रह की दृष्टि से, अप्रैल में जीएसटी संग्रह ने रिकॉर्ड 2.37 लाख करोड़ रुपये को छुआ और चालू वित्त वर्ष 2025-26 में इसका औसत 1.9 लाख करोड़ रुपये रहा। व्यापक दर कटौतियों के कारण जीएसटी राजस्व पर कुछ दबाव बना, साथ ही वृद्धि दर धीमी हुई। भारत में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) का संग्रह नवंबर में साल के निचले स्तर 1.70 लाख करोड़ रुपये पर आ गया। यह सालाना आधार पर केवल 0.7 प्रतिशत की मामूली वृद्धि दर्शाता है।

फेसलेस असेसमेंट सीमा शुल्क में लागू करने की जरूरत

पारदर्शिता के संदर्भ में आयकर के गुणों जैसे कि 'फेसलेस असेसमेंट' को सीमा शुल्क में भी लागू करने और शुल्क दरों के युक्तिकरण को सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। भारत जैसे-जैसे कर सुधारों के अगले चरण की ओर बढ़ रहा है और इसमें सरलीकरण, पूर्वानुमानशीलता तथा व्यापार करने में आसानी के नीतिगत लक्ष्य के केंद्र में रहने की उम्मीद है।

सीमा शुल्क के डिजिटलीकरण पर जोर

नांगिया ग्लोबल के अप्रत्यक्ष कर साझेदार राहुल शेखर ने कहा कि सीमा शुल्क प्रक्रियाओं के संपूर्ण डिजिटलीकरण पर जोर दिया जाना चाहिए जिसमें दस्तावेजीकरण में एकरूपता, पूर्वानुमानित वर्गीकरण पद्धतियां और जोखिम-आधारित त्वरित मंजूरी शामिल हैं जिससे व्यापार सुगमता एवं निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा।

पश्चिमी देशों के मुकाबले भारत में एआई से नौकरियों पर खतरा कम

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सचिव एस कृष्णन ने कहा है कि कृत्रिम मेधा (एआई) के कारण ज्ञान-आधारित नौकरियों के प्रभावित होने का जोखिम पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले भारत में कम है। कुल कार्यबल में दफ्तर वाली नौकरियों की अपेक्षाकृत कम हिस्सेदारी और विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग एवं गणित (स्टेम) आधारित रोजगारों का वर्चस्व होने के कारण ऐसा है। कृष्णन नेकहा कि रोजगार पर एआई के संभावित प्रभावों को लेकर जो आशंकाएं जताई जा रही हैं, भारत के संदर्भ में उन्हें उसी तीव्रता से नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत में दफ्तर वाली नौकरियों का अनुपात पश्चिमी देशों की तुलना में काफी कम है, जिससे दिमाग से किए जाने वाले कार्यों पर आधारित नौकरियों पर एआई से पड़ने वाला जोखिम सीमित रहता है। कृष्णन ने कहा, "भारत में अन्य नौकरियों की तुलना में दफ्तर वाली नौकरियों की संख्या कम है। इसलिए ज्ञान-आधारित नौकरियों पर एआई का जोखिम उतना गंभीर नहीं है जितना अन्य देशों में है। इसके अलावा, दफ्तर वाले अधिकांश रोजगार स्टेम क्षेत्र में हैं, जो हमारे लिए अवसर भी पैदा करते हैं।

COURT NOTICE
(U/o 5 Rule 20 CPC)
IN THE COURT OF Ms. Mansi Gaur, Additional Civil Judge (Senior Division), Ganaur
HEMANT SAINI (Minor)
Vs.
GENRAL PUBLIC
CNR No. HRSOA0-000617-2025
CASE No. HMGA/16/2025
Next Date:- 09-02-2026

It is prayed that the petition may kindly be accepted and permission may kindly be granted to the petitioners (Minor Hemant Saini son and Minor Himani daughter of Vijay Kumar both minors through their mother Arti Devi widow of Vijay Kumar son of Ranbir Singh R/o village Garh Shahjhanpur Tehsil & Distt. Sonepat) to sell their 1/3 share each out of their 97/57969 share, out of the land mentioned in para no.1 of the petition, in the interest of justice.
PUBLICATION ISSUED TO:
GENRAL PUBLIC
(Village Baraut) Tehsil Ganaur, Distt. Sonepat, Haryana, India.
In above titled case, the defendant(s)/respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s)/respondent(s) should appear in person or through counsel on 09-02-2026 at 10:00 a.m.
For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?trs=district_notice&district-Sonipat
Sd/- Additional Civil Judge (Senior Division), Ganaur
Dated, this day of 24-12-2025

COURT NOTICE
(U/o 5 Rule 20 CPC)
IN THE COURT OF Ms. Mansi Gaur, Additional Civil Judge (Senior Division), Ganaur
ARCHANA
Vs.
GENERAL PUBLIC
CNR No. HRSOA0-000487-2025
CASE No. SUCC/6/2025
Next Date:- 26-02-2026

It is prayed that a necessary succession certificate may kindly be granted to the applicant/petitioner (1.Archana widow of Late Sh. Sumer Singh 2.Minor Chesta 3.Minor Khushboo 4. Minor Himesh, minors through their mother namely Archana residents of village Pipli Khera Tehsil Ganaur Distt. Sonepat at present H.No.255, 1st Floor, Bhartu Wali Gali, Shahbad, Dalatpur Sahibabad, North West, Delhi) to the above said estate/property/ Family Pension, leave encashment, DPRG, GPF, any amount relates with the deceased and respondent no.2 may kindly be directed to release family pension, pensionary benefit, leave encashment/ DPRG, GPF funds/money in shape of family pension left by deceased in favour of petitioner, in the interest of justice.
PUBLICATION ISSUED TO:
GENERAL PUBLIC
Ganaur, Distt. Sonepat, Haryana, India
In above titled case, the defendant(s)/respondent(s) could not be served. It is ordered that defendant(s)/ respondent(s) should appear in person or through counsel on 26-02-2026 at 10:00 a.m.
For details logon to https://highcourtchd.gov.in/?trs=district_notice&district-Sonipat
Sd/- Additional Civil Judge (Senior Division), Ganaur
Dated, this day of 24-12-2025

सूचना
सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

यातायात कारपोरेशन का आईपीओ के लिए आवेदन : नई दिल्ली। लॉजिस्टिक एवं परिवहन सेवा कंपनी यातायात कारपोरेशन इंडिया लिमिटेड ने आईपीओ के जरिये कोष जुटाने के लिए बाजार नियामक सेबी के पास शुरुआती दस्तावेज दाखिल किए हैं।

इमेज सुधारने चली इन्फोसिस, फ्रेशर्स को 21 लाख तक ऑफर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

को-फाउंडर्स के बेतुके बयान, 300 ट्रेनीज की छंटनी और 32,000 करोड़ से ज्यादा टैक्स विवाद में नाम उछलने के बाद अब इन्फोसिस इमेज मेकओवर करती दिख रही है। इस दिशा में सबसे पहला कदम कंपनी ने नई हायरिंग को लेकर ही उठाया है। इन्फोसिस अब न्यू हायर्स को 21 लाख रुपए तक ऑफर कर रही है। यह इस क्षेत्र में किसी भी और कंपनी के मुकाबले अधिक है। हालांकि, यह पैकेज हर फ्रेशर को नहीं दिया जा रहा। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इन्फोसिस ने कुछ खास रोल्स में फ्रेशर्स के लिए सैलरी पैकेज बढ़ा दिए हैं, क्योंकि कंपनी अपनी एआई-फर्स्ट क्षमताओं को मजबूत करना चाहती है। अब इन्फोसिस स्पेशलाइज्ड टेक्नोलॉजी रोल्स के लिए सालाना 21 लाख रुपए तक का पैकेज दे रही है, जो भारत की आईटी कंपनियों में सबसे ज्यादा एंट्री-लेवल सैलरी है।

किसे कितना पैकेज

स्पेशलिस्ट प्रोग्रामर एल3 (ट्रेनी) के लिए इन्फोसिस 21 लाख रुपए तक का पैकेज दे रही है। स्पेशलिस्ट प्रोग्रामर एल2 (ट्रेनी) के लिए 16 लाख और एल1 (ट्रेनी) के लिए 11 लाख रुपए सालाना पैकेज है। डिजिटल स्पेशलिस्ट इंजीनियर (ट्रेनी) रोल के लिए 7 लाख रुपए सालाना मिलेंगे।

कंपनी का कहना

इन्फोसिस ग्रुप के सीएचआरओ शाजी मैथ्यू ने कहा कि कंपनी सभी सर्विस लाइनों में एआई-फर्स्ट स्ट्रैटेजी अपना रही है, जिससे मौजूदा कर्मचारियों को अपस्किल करने और खास स्किल वाले नए टैलेंट को हायर करने की जरूरत बढ़ गई है। उन्होंने कहा, "हमारी अर्ली-करियर हायरिंग कैंपस और ऑफ-कैंपस दोनों चैनल्स से होती है।

राशिफल

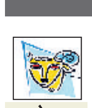
मेष वाणी में कठोरता के भाव रहेगा, संचित धन में कमी आ सकती है। प्रतियोगी परीक्षा व साक्षात्कार आदि कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे।

वृष धैर्यशीलता में कमी आ सकती है, अपनी भावनाओं को वश में रखें। पारिवारिक जम्मिेदारियां बढ़ सकती हैं। नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं।

मिथुन माता से धन की प्राप्ती हो सकती है। कला व संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में परश्रिम की अधिकता रहेगी, आय में वृद्धि होगी।

कर्क आत्मवश्विास में वृद्धि होगी, कुटुंब परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। उच्च शिक्षा एवं शोध आदि कार्यों के लिए विदेश प्रवास की संभावना बन रही है।

सिंह पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे, संतान सुख में वृद्धि होगी। आय में कमी व खर्चों में वृद्धि की स्थिति हो सकती है।

कन्या स्वभाव में चिड़चिड़ापन हो सकता है, परंतु आत्मवश्विास में वृद्धि होगी। कार्यों के प्रति जोश व उत्साह रहेगा ।पारिवारिक जम्मिेदारियां बढ़ सकती हैं।

तुला वाणी में कठोरता का भाव रहेगा, बातचीत में संयत रहें। वस्त्रों आदि की ओर रूझान बढ़ेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृश्चिक शैक्षिक व बौद्धिक कार्यों से यश व मान-सम्मान में वृद्धि होगी। जीवन साथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी।

धनु कार्यक्षेत्र में परश्रिम की अधिकता रहेगी, संतान को कष्ट रहेगा। आत्मवश्विास में वृद्धि होगी। कला व संगीत के प्रति रूझान बढ़ेगा।

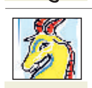
मकर कार्यक्षेत्र में परिवर्तन संभव है, संतान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है। वस्त्रों व गहनों के प्रति रूझान रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

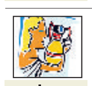
कुंभ कुटुंब की किसी महिला से धन प्राप्ती के योग बन रहे हैं, भाइयों के साथ मनमुटाव हो सकता है। बातचीत में संयत रहें, वाणी में कठोरता के भाव रहेंगे।

मीन दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी, किसी मत्रि के सहयोग से रोजगार के अवसर मिल सकते हैं। परिवार में मान-सम्मान बढ़ेगा।

भारत 1 जनवरी से किम्बर्ली प्रक्रिया की करेगा अध्यक्षता

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- भारत तीसरी बार केपी की अध्यक्षता करेगा
- विवादित हीरों को हटाने की एक वैश्विक पहल है

भारत अगले साल एक जनवरी से तीसरी बार किम्बर्ली प्रक्रिया (केपी) की अध्यक्षता करेगा। यह वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला से विवादित हीरों को हटाने की एक वैश्विक पहल है।

वाणिज्य मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को बयान में यह बात कही। केपी विभिन्न देशों, उद्योग एवं नागरिक समाजों की एक संयुक्त पहल है। इसका उद्देश्य उन विवादित हीरों के प्रवाह को नियंत्रित करना है जिनका इस्तेमाल दुनिया भर में वैध सरकारों के खिलाफ विद्रोही आंदोलन को वित्त पोषित करने के लिए किया जाता है। भारत हीरा काटने और पॉलिश करने के क्षेत्र में एक वैश्विक खिलाड़ी है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों के अनुसार विवादित हीरे, वे कच्चे हीरे हैं जिनका उपयोग विद्रोही समूह या उनके सहयोगी दुनिया भर में वैध सरकारों को कमजोर करने वाले संघर्षों को वित्तपोषित करने के लिए करते हैं। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा, '' भारत 25 दिसंबर 2025 से केपी उपाध्यक्ष का पदभार ग्रहण करेगा और नव वर्ष में अध्यक्ष का पदभार संभालेगा। यह तीसरी बार होगा जब भारत को किम्बर्ली प्रक्रिया की अध्यक्षता सौंपी जाएगी।

प्रक्रिया में वर्तमान में 60 भागीदार

इसमें वर्तमान में 60 भागीदार हैं जिनमें यूरोपीय संघ और उसके सदस्य देशों को एक ही भागीदार माना जाता है। ये सभी भागीदार मिलकर वैश्विक कच्चे हीरे के व्यापार के 99 प्रतिशत से अधिक हिस्से का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिससे यह इस क्षेत्र को नियंत्रित करने वाला सबसे व्यापक अंतरराष्ट्रीय तंत्र बन जाता है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 82(2)(ii) Cr. P.c. देखें
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **राज बाला पत्नी** श्री ओम प्रकाश **निवास**: गाँव खानी, जिला रोहतक, हरियाणा एवं खानी 121/2, बिसवा (78), रोहतक, खानी, हरियाणा ने **FIR No. 847/2014 U/s 498A/406/34 IPC थाना: निहाल विहार, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **राज बाला** मिल नही रही है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **राज बाला** फरार हो गई है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रही है)।
इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 847/2014 U/s 498A/406/34 IPC थाना: निहाल विहार, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **राज बाला** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **03.02.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।
आदेशानुसार
दिव्यश्री रैना
एलडी. जेएमएफसी-03, कमरा नं. 252
(महिला कोर्ट), तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली
DP/17249/OD/2025
(Court Notice)

शब्द पहेली - 6089

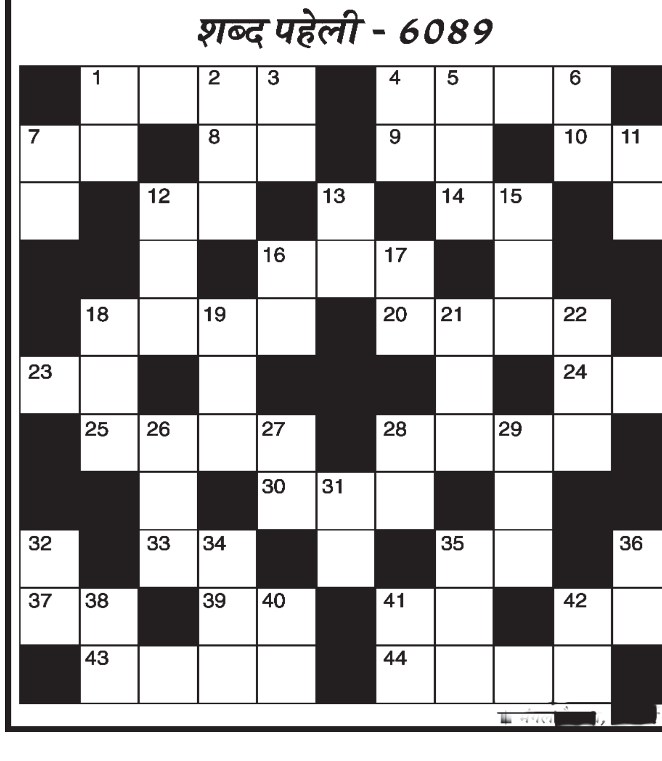

बाएँ से दाए-
1. सुरक्षित-4
4. माहुर, आलता-4
7. कार्य, काज-2
8. रांझे की प्रेमिका-2
9. स्याही, कालिख-2
10. भूमि, धरा-2
12. ठाठ-बाट-2
14. अधर, होठ-2
16. विशाल, श्रेष्ठ-3
18. आदेश, आज्ञा-4
20. कृष्ण भक्त एक मुस्लिम कवि-4
23. काका की पत्नी-2
24. कामदेव की पत्नी-2
25. जनवासा, हरम-4
28. हमसफर-4
30. कपड़े धोने वाला-3
33. आनंद, मौज-2
35. संदेह-2
37. सरूर, खुमार-2
39. मृत्यु का देवता-2
41. पुण्य का विलोम-2
42. परछाई, छाया-2
43. शिव, रुद्र, शंकर-4
44. सराबोर, सना हुआ-4

ऊपर से नीचे
1. समान, एक जैसा-2
2. बारीक-3
3. भीगा हुआ-2
4. मेरा (संस्कृत-2)
5. पाना, प्राप्त-3
6. घोड़ागाड़ी, गाड़ी-2
7. कहवा-2
11. उद्देश्य-2
12. गजल लिखनेवाला-3
13. उस जगह-2
15. बारिश, वर्षा-3
16. जी, चित-2
17. मर्द, आदमी-2
18. दरवेश-3
19. मध्य प्रदेश का एक क्षेत्र-3
21. साजन, प्रेमी-3
22. मुलायम-3
26. कायदा, कानून-3
27. महोदय (अंग्रेजी)-2
28. अधिकार-2
29. खटखटाना-3
31. जगत, दुनिया-2
32. प्राण, जीव-2
34. स्वाद-3
35. प्रतिज्ञा-3
36. शरीर, तन-2
38. संध्या, सांझ-2
40. अपशिष्ट पदार्थ-2
41. मस्तूल, नौका पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
42. संग, संगत-2

शब्द पहेली -6088 का हल

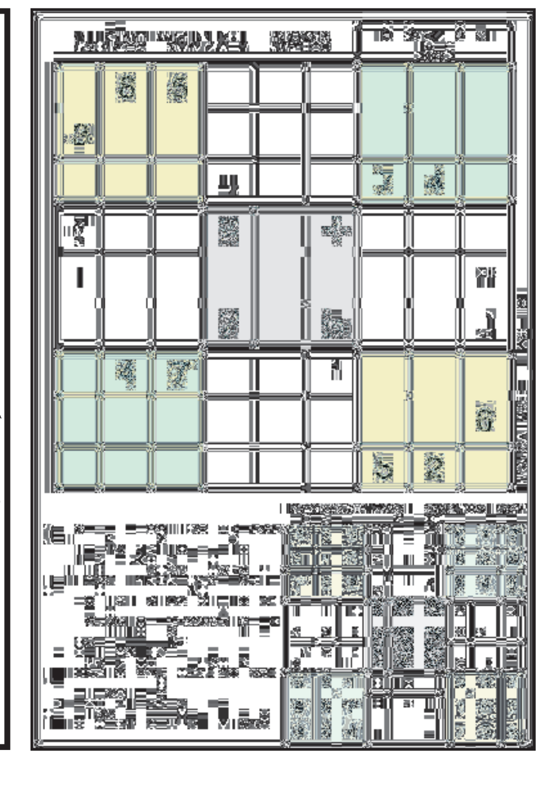

प्रधानमंत्री ने विपक्ष को लिया आड़े हाथ

सपा-कांग्रेस ने आंबेडकर समेत कई विभूतियों का अपमान किया, हमने हर विचारधारा के नेताओं को दिया 'मान'

हमारी सरकार ने कांग्रेस नेता रहे और पूर्व राष्ट्रपति मुखर्जी और मुलायम को भारत रत्न दिया

65 फीट ऊंची कांस्य प्रतिमाएं लगीं प्रेरणा स्थल में | **65** एकड़ में फैला राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल | **230** करोड़ की लागत से बनाया गया | **03** महान विभूतियो को दिया स्थान | **98** हजार वर्ग फीट में फैला अत्याधुनिक संग्रहालय

पीएम ने लखनऊ में भारत रत्न वाजपेयी की 101वीं जयंती पर राष्ट्र प्रेरणा स्थल का बटन दबाकर किया लोकार्पण

2 हजार बसों से 1.5 लाख लोगों का लगा जमघट

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लखनऊ में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती केअवसर पर राष्ट्र प्रेरणा स्थल का बटन दबाकर लोकार्पण किया। पीएम ने कहा कि 25 दिसंबर का यह दिन देश की दो महान विभूतियों के जन्म का अद्भुत सुयोग लेकर भी आता हउन्होंने भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्रीअटल बिहारी वाजपेयी, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीन दयाल उपाध्याय की विशाल कांस्य प्रतिमाओं का भी अनावरण किया।

हमारी सरकार ने कांग्रेस नेता रहे और पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी को भारत रत्न देकर सम्मानित किया। मुलायम सिंह यादव को सम्मानित किया। हमने सभी को सम्मान दिया है। इस आयोजन में 2लाख से अधिक लोगों के शामिल हुए। आयोजन में आसपास के कई जिलों से करीब 2000 बसें आईं। इन महापुरुषों ने भारत की अस्मिता, एकता और गौरव की रक्षा की और राष्ट्र निर्माण में अपनी अमिट छाप छोड़ी। समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह भी प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

एक देश में 2 संविधान नहीं चलेंगे

पीएम मोदी ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कहा था कि देश में दो विधान दो संविधान नहीं चलेंगे। मुझे खुशी है कि भाजपा सरकार को जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटाने का सौभाग्य मिला और डॉ. मुखर्जी का सपना साकार हुआ। इसे कांग्रेस समेत सारा विपक्ष अपना हथियार मानता था। हमारी सरकार ने एक देश एक संविधान के सपने को साकार किया।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी

करोड़ों भारतीयों ने गरीबी को हराया

पीएम मोदी ने जनसंघ नेता दीनदयाल उपाध्याय के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने एकात्म मानववाद का सिद्धांत दिया। आज देश के करोड़ों नागरिकों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। यही तो सच्चा सेकुलरिज्म है। देश के हर नागरिक को सम्मान मिल रहा है। बीते एक दशक में करोड़ों भारतीयों ने गरीबी को हराया है।

पं. दीनदयाल उपाध्याय

अटल जी ने सुशासन को सही मायने में जमीन पर उतारा

पीएम मोदी ने कहा कि अटल जी ने सही मायने में सुशासन को जमीन पर उतारा। अटल जी की सरकार में ही गांव-गांव तक सड़कें पहुंचाने का काम शुरू हुआ था। देश के गांवों में 8 लाख किलोमीटर सड़कों का निर्माण हुआ। अटलजी ने अपना संपूर्ण जीवन सुशासन और राष्ट्र निर्माण को समर्पित कर दिया और उनका व्यक्तित्व, कृतित्व व नेतृत्व देश के चहुंमुखी विकास के लिए सदैव पथ-प्रदर्शक बना रहेगा। वे प्रखर वक्ता होने के साथ-साथ ओजस्वी कवि के रूप में भी सदैव स्मरणीय रहेंगे। उनका व्यक्तित्व, कृतित्व और नेतृत्व देश के चहुंमुखी विकास के लिए पथ-प्रदर्शक बना रहेगा।

अटल बिहारी वाजपेयी

अब उन्नाव मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, एक विशेष याचिका दायर

महिला वकीलों ने हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी, उन्होंने सबूतों को समझने में नाकामी बताया

आरोप : हाई कोर्ट ने कानून और तथ्यों दोनों के मामले में गंभीर गलती की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

2017 के उन्नाव दुष्कर्म केस मामले में पूर्व भाजपा नेता कुलदीप सिंह सेंगर की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। उनके जेल की सजा निलंबित करने के दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एक विशेष याचिका दायर की गई है। मामले में वकील अंजले पटेल और पूजा शिल्पकार की ओर से दायर याचिका में हाई कोर्ट के फैसले पर तुरंत रोक लगाने की मांग की गई है। उन्होंने दलील दी कि हाई कोर्ट ने यह विचार किए बिना आदेश पारित किया कि ट्रायल कोर्ट ने सेंगर को शेष जीवन जेल में बिताने योग्य माना था।उन्होंने कहा कि गंभीर आपराधिक रिकॉर्ड और दुष्कर्म जैसे जघन्य अपराधों में उसकी पक्की संलिप्तता के बावजूद सेंगर को सजा निलंबित करके हाई कोर्ट ने कानून और तथ्यों दोनों के मामले में गंभीर गलती की है। हाई कोर्ट पीड़ित पक्ष की ओर से पेश किए गए सबूतों को समझने में नाकाम रहा, जो कि आरोपी की बर्बरता और क्रूरता को दिखाता है। यह भी आरोप लगाया कि आरोपी ने परिवार को चुप कराने और न्याय की प्रक्रिया को रोकने के लिए पीड़िता के पिता की हत्या की साजिश रची और उसे अंजाम दिया।

सुप्रीम कोर्ट

दिल्ली हाईकोर्ट ने सजा निलंबित की

फिलहाल जेल में ही रहेगा आरोपी

23 दिसंबर को, दिल्ली हाईकोर्ट ने उन्नाव दुष्कर्म केस में कुलदीप सिंह सेंगर की उम्रकैद की सजा निलंबित कर दी। कोर्ट ने कहा कि सेंगर ने 7 साल और 5 महीने जेल में बिता लिए हैं, इसलिए उनकी सजा को निलंबित किया जाता है। हालांकि सेंगर जेल में ही रहेगा क्योंकि वह पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत के मामले में 10 साल की सजा काट रहा है और उस मामले में उसे जमानत नहीं मिली है।

फैसले के बाद सर्वाइवर ने कहा

हाईकोर्ट के फैसले को 'काल' बताया

उन्नाव की पीड़िता ने सेंगर की सज़ा को सस्पेंड करने के हाई कोर्ट के फैसले को अपने परिवार के लिए 'काल (मौत)' बताया है। पीड़िता और उसकी मां को हाल ही में दिल्ली में एक प्रोटेस्ट से हटाया गया।

हाईकोर्ट ने सशर्त जमानत दी थी

मामले में हाई कोर्ट ने कई शर्तें लगाते हुए सेंगर को राहत दी थी। कोर्ट ने 15 लाख के पर्सनल बॉन्ड, इतनी राशि की 3 जमानतों और दिल्ली में पीड़िता के घर के 5 किमी के दायरे में न आने जैसी कड़ी शर्तों के साथ उसे राहत दी थी। दिसंबर 2019 में ट्रायल कोर्ट ने नाबालिग के अपहरण और रेप के मामले में सेंगर को दोषी ठहराया था। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर ही यह पूरा मामला 2019 में उत्तर प्रदेश से दिल्ली ट्रांसफर किया गया था। फिलहाल अब सुप्रीम कोर्ट यह तय करेगा कि इस मामले में सजा निलंबन का आदेश कानूनन उचित है या नहीं।

पीड़िता ने कांग्रेस शासित राज्य में पुनर्वास की मांग की

सेंगर कहीं भी पहुंच सकता...

उन्नाव रेप केस मामले की पीड़िता ने अपने जीवन की सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता जताई है और सेंगर से बचने के लिए कांग्रेस शासित राज्य में स्थानांतरण की मांग की है। उन्होंने कहा कि सेंगर कहीं भी पहुंच सकता है। और उनका जीवन खतरे में है। एक इंटरव्यू में पीड़िता ने उत्तर प्रदेश के मंत्री ओम प्रकाश राजभर को भी फटकार लगाई, जिन्होंने दिल्ली में उनके प्रदर्शन का मजाक उड़ाया था।

आप नेता भारद्वाज, झा आदिल पर एफआईआर

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने आम आदमी पार्टी के नेताओं सौरभ भारद्वाज, संजीव झा और आदिल अहमद खान के खिलाफ धार्मिक भावनाएं आहत करने के आरोप में मामला दर्ज किया है। यह एफआईआर 17 और 18 दिसंबर को सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो को लेकर दर्ज की गई है।

दलमा वाइल्डलाइफ सेंचुरी को मिला नन्हा 'बादल'

जमशेदपुर। दलमा वाइल्डलाइफ सेंचुरी में इन दिनों खास रौनक देखने को मिल रही है। यहां रजनी हाथी को एक नया नन्हा दोस्त मिलने वाला है। नन्हे हाथी का नाम बादल रखा गया है, जिसे सारंडा जंगल से रेस्क्यू कर दलमा लाया गया है।

एएमयू के परिसर में सनसनीखेज वारदात

शिक्षक दानिश को बदमाशों ने गोलियों से भून डाला

अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी

एजेंसी ▶▶ अलीगढ़

उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में स्थित प्रतिष्ठित अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) के परिसर में बुधवार देर रात एक सनसनीखेज वारदात हुई। एबीके यूनियन हाई स्कूल (एबीके बॉयज स्कूल) में कंप्यूटर विज्ञान के शिक्षक राव दानिश अली (45) की नकाबपोश बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी। घटना लाइब्रेरी के पास स्थित कैंटीन क्षेत्र में उस समय हुई, जब दानिश अली अपने दो साथियों के साथ रोजाना की तरह शाम की सैर पर थे। दो हमलावर स्कूटी पर सवार होकर आए थे। राव दानिश अली 2015 से इसी स्कूल में पढ़ाते थे। वे एएमयू के पूर्व छात्र रह चुके थे और परिवार का गहरा नाता यूनिवर्सिटी से था।

इंडिगो की खराब मौसम के चलते 67 उड़ानें रद्द

नई दिल्ली। देश की प्रमुख घरेलू एयरलाइन इंडिगो ने गुरुवार को मौसम और कुछ ऑपरेशन कारणों से 67 उड़ानें रद्द कर दीं। एयरलाइन की वेबसाइट के अनुसार इनमें से केवल 4उड़ानें ऑपरेशन कारणों से रद्द की गईं, जबकि बाकी खराब मौसम की भविष्यवाणी के कारण रद्द हुईं। प्रभावित हवाईअड्डों में अगरतला, चंडीगढ़, देहरादून हैं।

गठबंधन करते उद्धव और राज को लगा बड़ा झटका

महासचिव दिनकर सहित शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस के कई नेता भाजपा में शामिल

एजेंसी ▶▶ मुंबई

गुरुवार को नासिक जिले में राज ठाकरे की एमएनएस और उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) को बड़ा झटका लगा है। दोनों दलों के कई नेता भाजपा में शामिल हो गए। इनमें एमएनएस के पूर्व विधायक नितिन भोसले, शिवसेना (यूबीटी) के पूर्व मेयर विनायक पांडे, एमएनएस के पहले मेयर यतिन वाघ, कांग्रेस नेता शाहू खैरे और संजय चव्हाण शामिल थे। चौंकाने वाला नाम एमएनएस के प्रदेश महासचिव

भाजपा की विचारधारा में जताया विश्वास

निरुपम ने गठबंधन पर बोला हमला

खान-पठान के साथ आए, मुंबई में खतरा

उद्धव और राज ने बीएमसी चुनाव एक साथ लड़ने का ऐलान किया है। शिंदे गुट के नेता संजय निरुपम ने उद्धव और राज के गठबंधन पर हमला बोला है। सीएम फडणवीस का समर्थन करते हुए आरोप लगाया कि ठाकरे परिवार की राजनीति अब 'जिहादी मानसिकता' के इर्द-गिर्द है।

कर्नाटक में मुख्यमंत्री बदलाव की अटकलों को फिर मिली हवा

खरगे ने शिवकुमार से की मुलाकात, 'सियासी बात' नहीं की

मनरेगा की जगह नए कानून लाने और आंदोलन पर चर्चा की

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

कर्नाटक की राजनीति में एक बार फिर हलचल बढ़ गई है। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से बंगलुरु स्थित आवास पर मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री पद को लेकर चर्चाएं तेज हो गईं। यह मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब कांग्रेस सरकार अपने कार्यकाल के आधे रास्ते पर पहुंच चुकी है।मुलाकात के बाद शिवकुमार ने साफ किया कि उन्होंने कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं उठाया। उनके अनुसार चर्चा केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा की जगह नए कानून लाने और उस पर पार्टी के रुख को लेकर थी।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे और उप मुख्यमंत्री शिवकुमार

नेतृत्व विवाद पर बवाल

कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें तब और तेज हुईं, जब सरकार ने पांच साल के कार्यकाल का आधा समय पूरा किया। हालांकि, खरगे पहले ही कह चुके हैं कि नेतृत्व को लेकर भ्रम केवल स्थानीय स्तर पर है, हाईकमान में नहीं। शिवकुमार ने इसे वरिष्ठ नेता की सलाह बताते हुए कहा कि पार्टी के अंदरूनी मामलों का समाधान संगठन के भीतर ही होगा।

पार्टी कार्यकर्ता का संदेश

शिवकुमार ने खुद को आजीवन पार्टी कार्यकर्ता बताते हुए कहा कि उन्होंने कांग्रेस के लिए हर स्तर पर काम किया है। पोस्ट या पद उनके लिए प्राथमिक नहीं है। जब उनसे मेहनत का इनाम मिलने पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

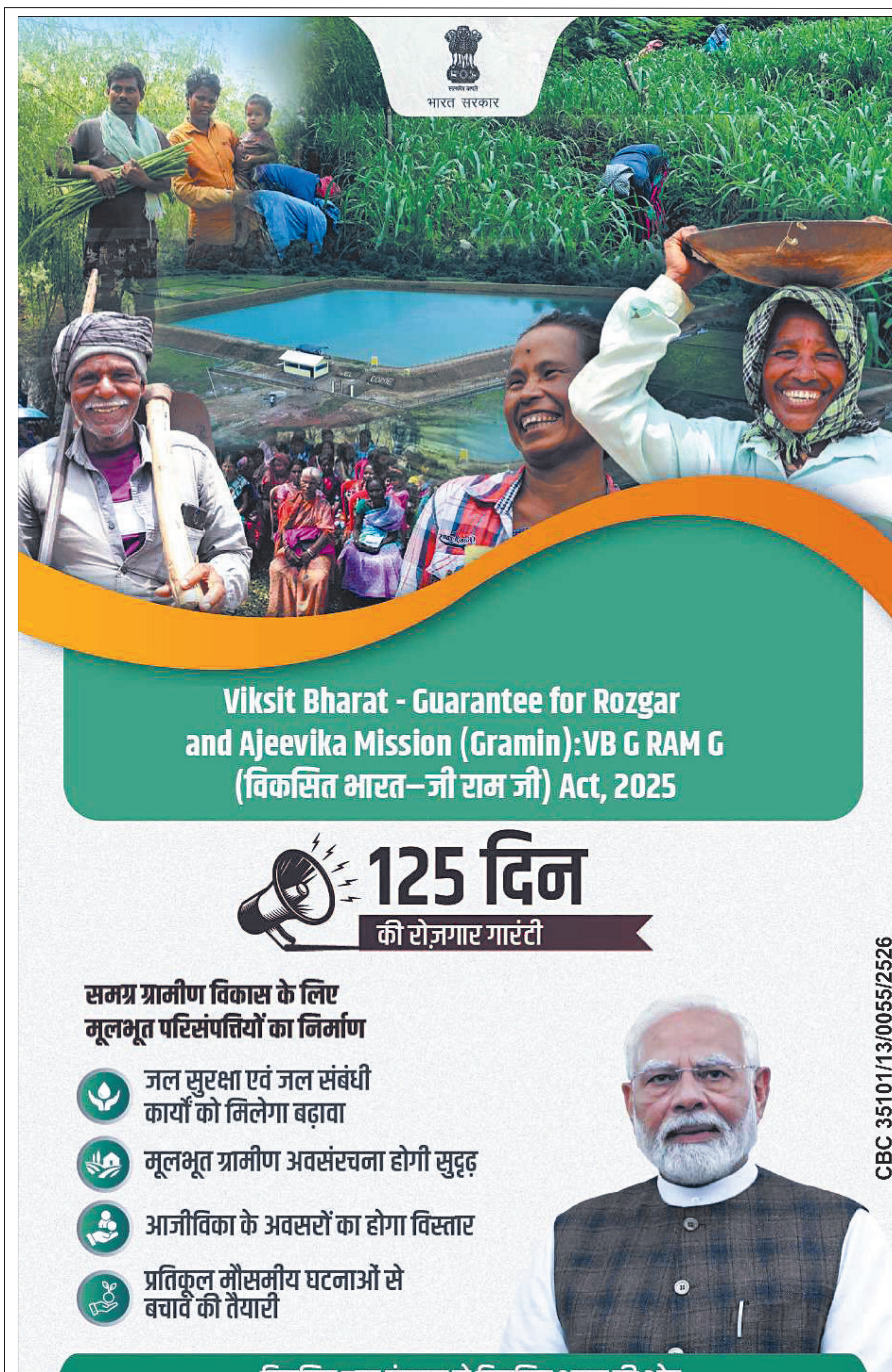

चिंतन

रहमान की बांग्लादेश वापसी भारत के लिए मिश्रित संकेत

बांग्लादेश की सबसे मजबूत राजनीतिक पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यवाहक अध्यक्ष एवं पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान आखिरकार 17 साल के वनवास के बाद स्वदेश लौट आए हैं। उनका लौटना सीधे राजनीति में उनकी वापसी के तौर पर देखा जा रहा है। रहमान 12 फरवरी को बांग्लादेश में होने वाले आम चुनावों में भाग लेंगे। उन्हें बीएनपी में पीएम पद का दावेदार भी माना जा रहा है। बता दें कि रहमान की बांग्लादेश वापसी भारत के लिए एक मिश्रित संकेत माना जा रहा है। एक ओर, उनकी वापसी से बांग्लादेश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूती मिल सकती है, जो भारत के हित में होगी, क्योंकि उन्होंने वतन लौटते ही कहा कि उनकी विदेश नीति बांग्लादेश के हितों को प्राथमिकता देगी, जो भारत के साथ संबंधों में एक सकारात्मक संकेत हो सकता है। हालांकि संकेत यह भी मिल रहे हैं कि रहमान की वापसी से कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी के प्रभाव में वृद्धि हो सकती है, जो भारत के लिए बड़ी चुनौती बन सकती है। जमात-ए-इस्लामी के साथ रहमान के गठबंधन से भारत-बांग्लादेश संबंधों में तनाव और बढ़ सकता है। बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता बढ़ सकती है, जो भारत के लिए एक गंभीर चिंता का विषय है। हालांकि क्या होगा, यह सब तो फिलहाल भविष्य के गर्भ में है, लेकिन भारत को हर हाल में चौकन्ना रहना होगा और पड़ोसी देश में हो रही हलचलों पर कड़ी नजर रखनी होगी। बता दें कि 2008 में जब रहमान पर भ्रष्टाचार और अन्य आरोप लगे, तो वह लंदन चले गए थे। शेख हसीना सरकार गिरने के बाद अदालतों ने उन्हें बरी कर दिया, जिससे उनकी वापसी का रास्ता साफ हुआ है। इसे भारत के नजरिये से देखें तो बांग्लादेश की सत्ता से शेख हसीना के हटने के बाद अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस के कार्यकाल में भारत-बांग्लादेश संबंधों में तनाव बढ़ा है। यूनुस सरकार ने पाकिस्तान से नजदीकियां बढ़ाई हैं, जबकि भारत से दूरी बनाई है। अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदुओं पर हमले बढ़े हैं और कट्टरपंथी ताकतें मजबूत हुई हैं। रहमान ने पहले भारत-विरोधी बयान दिए हैं, लेकिन हाल के संकेत सकारात्मक हैं। उन्होंने कहा है, न दिल्ली, न इस्लामाबाद, बांग्लादेश पहले। भारत ने बीएनपी नेतृत्व से बातचीत की है और रहमान की मां खालिदा जिया की बीमारी पर सहानुभूति जताई है। भारत ने उनके इलाज की भी पेशकश की थी। कयास लगाए जा रहे हैं कि बीएनपी सत्ता में आई तो भारत के साथ संतुलित संबंध रखेगी, क्योंकि उनके भाषण में पाकिस्तान से भी दूरी बनाए रखने के संकेत मिल रहे हैं। वहीं, भारत भी चाहता है कि बांग्लादेश में स्थिर और लोकतांत्रिक सरकार आए, जो क्षेत्रीय सुरक्षा और व्यापार के लिए फायदेमंद हो। बीएनपी की जीत से विदेश नीति में बदलाव आ सकता है, जो भारत के हित में होगा। भारत शांतिपूर्ण चुनाव और स्थिर पड़ोसी की उम्मीद कर रहा है। आगे के दिन बांग्लादेश की दिशा तय करेंगे। इस समय परिस्थिति ऐसी है कि भले बीएनपी के भारत के साथ तनावपूर्ण संबंध रहे हों, लेकिन मौजूदा वक्त में बीएनपी को ही भारत अधिक उदार और लोकतांत्रिक विकल्प के रूप में देख रहा है। अवामी लीग का पत्ता पहले ही काटा जा चुका है और ऐसे में भारत को उम्मीद होगी कि रहमान की वापसी से बीएनपी कार्यकर्ताओं में जोश आएगा और पार्टी अगली सरकार बनाएगी। यहां भारत के लिए स्थिति ऐसी है कि उसे दो बुरे में से एक कम बुरा चुनना होगा।

न्यूजीलैंड से निर्यात पर भारत की दृढ़ता

एफटीए
प्रमोद भार्गव

विश्व कारोबार पटल पर भारत की महत्ता की स्वीकार्यता लगातार बढ़ती दिखाई दे रही है। भारत ने न्यूजीलैंड के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) में किसान हितों का पूरा ख्याल रखते हुए इस समझौते को अंतिम रूप दिया है। दरअसल, भारत में किसान और दुग्ध उत्पादक ग्वालों की प्रकृति पर निर्भरता होने के कारण आर्थिक स्थिति अपेक्षाकृत कमजोर है। अतएव अमेरिका हो या न्यूजीलैंड यदि उनके सस्ते उत्पादों को भारत में बेचने की अनुमति मिल जाती है तो इन लोगों को रोटियों के लाले पड़ सकते हैं ? भारत इन उत्पादों की बजाय न्यूजीलैंड से सेब, कीवी, शहद और वाइन आयात करेगा। इनके आयात में टैरिफ में भी बड़ी राहत दी गई है।

विश्व कारोबार पटल पर भारत की महत्ता की स्वीकार्यता लगातार बढ़ती दिखाई दे रही है। भारत ने न्यूजीलैंड के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) में किसान हितों का पूरा ख्याल रखते हुए इस समझौते को अंतिम रूप दिया है। याद रहे अमेरिकी कृषि उत्पाद निर्यात पर भारत ने दो टूक मना कर दी थी। इस कारण राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नाराजगी का भारत ने बढ़ाए गए टैरिफ के रूप में सामना किया। इसकी भरपाई के लिए धैर्य से काम लेते हुए ब्रिटेन, ओमान और अब न्यूजीलैंड से अपनी शर्तों पर एफटीए करके किसान हितों को साधते हुए उल्लेखनीय समझौते कर लिए। इसी माह दिसंबर 2025 में भारत ने ओमान के साथ कॉम्प्रेहेन्सिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट (सीपा) किया था और अब भारत की न्यूजीलैंड से चली 9 माह की वार्ता में न्यूजीलैंड से इस बात पर सहमति हो गई कि इस समझौते में कृषि और डेयरी उत्पादों को पूरी तरह बाहर रखा जाएगा। यह उपलब्धि इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत से 5000 अभियंता न्यूजीलैंड काम करने के लिए जाते हैं। बावजूद यह समझौता शून्य टैरिफ पर होना भारत के दोनों हाथों में लड्डू होने जैसा है।

इस समझौते से अमेरिका को इसलिए भी झटका लगा है, क्योंकि पांच साल पहले एशिया-प्रशांत व्यापार क्षेत्र के रूप में उभर रहे 15 देशों के व्यापार पटल आरईसीपी (रिजनल कॉम्प्रेहेन्सिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप) का सदस्य बनने से भारत ने इनकार कर दिया था। इसका मुख्य कारण था कि न्यूजीलैंड के सस्ते दूध और कृषि उत्पादों का भारत में निर्यात रोकना। अब भारत ने न्यूजीलैंड से स्वतंत्र रूप में समझौता करके किसान हितों को साध लिया है। दरअसल भारत में किसान और दुग्ध उत्पादक ग्वालों की प्रकृति पर निर्भरता होने के कारण आर्थिक स्थिति अपेक्षाकृत कमजोर है। अतएव अमेरिका हो या न्यूजीलैंड यदि उनके सस्ते उत्पादों को भारत में बेचने की अनुमति मिल जाती है तो इन लोगों को रोटियों के लाले पड़ सकते हैं ? भारत इन उत्पादों की बजाय न्यूजीलैंड से सेब, कीवी, शहद और वाइन आयात करेगा। इनके आयात में टैरिफ में भी बड़ी राहत दी गई है। साथ ही न्यूजीलैंड सेब, कीवी और डेयरी क्षेत्र में भारतीय उत्पादकता को बढ़ाने में अपनी तकनीकि मदद भी देगा। अतएव यह समझौता पूर्ण रूप से भारतीय हितों को साधने वाला है। वे भारतीय ऋषि ही थे, जिन्होंने सबसे पहले जाना था कि गाय के दूध में ऐसे पोषक तत्व हैं, जो शरीर और दिमाग दोनों को ही स्वस्थ रखते हैं। यह दूध ही है, जिससे दही, मठा, मक्खन और घी जैसे सह-उत्पाद निकलते हैं। ये उत्पाद मिठाई की दुकानों से लेकर डेयरी उद्योग के जरिए करोड़ों लोगों के रोजगार का मजबूत माध्यम बने हुए हैं। लंबे समय तक गाय से पैदा बैल पर ही भारतीय कृषि निर्भर रही है। इसी कृषि की जीडीपी में 24 प्रतिशत की भागीदारी है। भारतीय दुग्ध उत्पादन से लेकर दूध पीने में दुनिया में पहले स्थान पर हैं। इसी दूध पर कब्जे के लिए अमेरिका अपने यहां उत्पादित मांसाहारी दूध बेचना चाहता है। अन्य यूरोपीय देशों की निगाह भी इस दूध के व्यापार पर टिकी रही है, जिनमें से एक न्यूजीलैंड भी रहा है। अमेरिका और भारत के बीच 500 बिलियन डॉलर के व्यापार समझौते की बात चली थी। इस समझौते की सूची में अमेरिकन मांसाहारी दूध के उत्पाद शामिल थे। भारत

सरकार ने इस बाबत दो टूक कह दिया था कि अमेरिकी दुग्ध उत्पादों को भारतीय बाजार का हिस्सा नहीं बनाया जा सकता है। यह हमारे दुग्ध उत्पादक किसानों की आजीविका और उनकी संस्कृति की सुरक्षा से जुड़ा बड़ा प्रश्न है, जो स्वीकार योग्य नहीं है। इस मनाही के बाद अमेरिका ने भारत पर अनर्गल टैरिफ संबंधी शर्तें थोपना शुरू कर दी थीं। भारत में 13 जनवरी 1970 को फ्लड ऑपरेशन के साथ दूध का उत्पादन शुरू हुआ था। इसे ही श्वेत क्रांति का नाम दिया गया। यह केवल भारत में ही नहीं विश्व में सबसे बड़े ग्रामीण कार्यक्रमों में से एक है। इसी की बदौलत भारतीय डेयरी उद्योग का चेहरा बदला और लाखों दुग्ध उत्पादक किसानों की आर्थिकी में क्रांतिकारी बदलाव आया। दरअसल, फिरंगी हुकूमत के दौरान पोल्सन नाम की ब्रिटिश कंपनी का इस क्षेत्र का दूध खरीदने पर एकाधिकार था। कंपनी दुग्ध उत्पादकों का लगातार शोषण कर रही थी। इस शोषण की शिकायत किसानों ने सरदार पटेल से की। पटेल गोधन, गोरस और गोदान की हिंदू जीवन शैली के अनुयायी थे। पटेल शोषण की जानकारी से बेचैन हुए और लौहपुरुष के अवतार में आ गए, उन्होंने तत्काल कंपनी को दूध बेचने से मना कर दिया। उनका मानना था कि जब कंपनी को दूध मिलेगा ही नहीं, तो उसे किसानों की शर्तें मानने को मजबूर होना पड़ेगा। साथ ही पटेल ने सभी किसानों को मिलकर सहकारी संस्था बनाकर स्वयं दूध और दूध के उत्पाद बेचने की सलाह दी। पटेल के इस सुझाव से किसान सहमत हो गए और अंग्रेजों को दूध न देने की चुनौती दे दी। बाद में 1946 में पटेल ने अपने भरोसे के साथ ही मोरारजी देसाई और त्रिभुवन दास पटेल की सहायता से भारत की पहली दुग्ध सहकारी संस्था की स्थापना की, इसे ही बाद में जिला सहकारी दुग्ध उत्पादन संघ के नाम से जाना गया। 250 लीटर दूध का प्रतिदिन कारोबार करने वाली इसी संस्था को आज विश्वव्यापी संस्था 'अमूल' के नाम से जाना जाता है।

दूध का 30 फीसदी कारोबार संगठित ढांचा, मसलन डेयरियों के माध्यम से होता है। देश में दूध उत्पादन में 96 हजार सहकारी संस्थाएं जुड़ी हैं। 14 राज्यों की अपनी दुग्ध सहकारी संस्थाएं हैं। देश में कुल कृषि खाद्य उत्पादों व दूध से जुड़ी प्रसंस्करण सुविधाएं महज दो फीसदी हैं, किंतु वह दूध ही है, जिसका सबसे ज्यादा प्रसंस्करण करके दही, मठा, घी, मक्खन, मावा, पनीर आदि बनाए जाते हैं। इस कारोबार की सबसे बड़ी खूबी यह है कि इससे आठ करोड़ से भी ज्यादा लोगों की आजीविका जुड़ी है। करीब 1.5 करोड़ परिवार ही सहकारी दुग्ध उत्पादकता से जुड़े हैं, जबकि 6.5 करोड़ ग्रामीण परिवार आज भी सहकारिता के दायरे से वंचित हैं। दूध उत्पादन में ग्रामीण महिलाओं की अहम भूमिका रहती है। रोजाना दो लाख से भी अधिक गांवों से दूध एकत्रित करके डेयरियों में पहुंचाया जाता है। बड़े पैमाने पर ग्रामीण सीधे शहरी एवं कस्बाई ग्राहकों तक भी दूध बेचने का काम करते हैं। इसी दूध के बाजार पर अमेरिका समेत अनेक दुग्ध उत्पादक पश्चिमी देशों की निगाहें टिकी रहती हैं। हालांकि अब दुग्ध उत्पादकों की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाए रखने के लिए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कुछ माह पहले ही दस हजार नई कृषि सहकारी समितियों को हरी झंडी दिखाई है। अगले पांच साल में इनकी संख्या दो लाख तक पहुंचाने की है। इन्हीं सहकारी संस्थाओं के जरिए कृषि और दुग्ध उत्पादों को भारत से लेकर एशिया और यूरोप तक बाजार में पहुंचाने की तैयारी है। ऐसे में यदि अमेरिकी या अन्य देशों के लिए दुग्ध उत्पाद बेचने के लिए भारतीय बाजार खोल दिए जाते तो इन समितियों की मुश्किलें तो बढ़ती हीं, दुग्ध उत्पादक आठ करोड़ लोगों की आजीविका पर भी संकट के बादल गहरा जाते।

(लेखक वरिष्ठ साहित्यकार और पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

दिव्य कला मेला

विवेक शुक्ला

दिव्यांगजनों की प्रतिभा व रचनात्मकता का उत्सव

नेताजी सुभाषचंद्र बोस की इंडिया गेट पर जहां आदमकद मूर्ति स्थापित है, उसके आसपास बीते दिनों रोज हजारों लोग पहुंच रहे थे। ये सब नेताजी की मूर्ति को नमन करने के बाद दिव्यांगजनों की प्रतिभा, रचनात्मकता और उद्यमिता को देखकर मंत्रमुग्ध हो रहे थे। मौका था दिव्य कला मेला 2025 का। अब इस तरह के मेले देश के सभी राज्यों में आयोजित हो रहे हैं। इस मेले में आए दिव्यांग कलाकारों और उद्यमियों के स्टॉल लगे, जहां वे हस्तशिल्प, चित्रकला, ज्वेलरी, खाद्य उत्पाद और अन्य हस्तनिर्मित वस्तुओं का प्रदर्शन कर रहे थे। यह मेला दिव्यांगों की क्षमताओं को मुख्यधारा में लाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। ऐसे मेलों का आयोजन न केवल दिव्यांगजनों को आर्थिक अवसर प्रदान करता है, बल्कि समाज में समावेशिता की भावना को मजबूत करता है। इसके साथ ही, अपने पास ही नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मूर्ति को देखकर इनमें जोश आता, अवरोधों को पार करने का। दिव्य कला मेला जैसे आयोजनों के लाभ बहुआयामी हैं। सबसे पहले, ये आर्थिक सशक्तिकरण के सशक्त माध्यम हैं। भारत में करोड़ों दिव्यांगजन हैं, जिनमें से कई ग्रामीण क्षेत्रों से आते हैं और रोजगार के अवसरों से वंचित रहते हैं। ऐसे मेलों में स्टॉल लगाने का अवसर मिलने से वे अपने उत्पादों को सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचा सकते हैं।

उदाहरण के लिए, इस वर्ष के मेले में 28वें संस्करण में सैकड़ों दिव्यांग उद्यमी भाग लेने आए, जो अपने हस्तशिल्प को बेचकर आय अर्जित कर रहे हैं। यह न केवल उनकी आर्थिक स्वतंत्रता बढ़ाता है, बल्कि उन्हें बाजार की समझ भी देता है। सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली सहायता, जैसे यात्रा भत्ता और स्टॉल की सुविधा, इन व्यक्तियों को बिना किसी अतिरिक्त बोझ के भाग लेने की अनुमति देती है। इन्हें रहने के लिए प्रतिदिन 2200 रुपये मिले। परिणामस्वरूप, कई दिव्यांगजन छोटे व्यवसाय स्थापित कर आत्मनिर्भर बनते हैं, जो गरीबी उन्मूलन में योगदान देता है। दूसरा प्रमुख लाभ सामाजिक समावेशिता का है। समाज में दिव्यांगजनों के प्रति अक्सर पूर्वाग्रह और दया की भावना रहती है, लेकिन ऐसे मेलों से यह धारणा बदलती है। मेले में एक 'एक्सेसिबिलिटी सिमुलेशन जोन' जैसी सुविधाएं हैं, जहां सामान्य लोग दिव्यांगता की चुनौतियों का अनुभव कर सकते हैं। इससे सहानुभूति और समझ बढ़ती है, जो एक समावेशी समाज की नींव रखती है। दिल्ली जैसे महानगर में इंडिया गेट पर आयोजित होने से यह मेला बहुत बड़ी संख्या में पर्यटकों और स्थानीय निवासियों को आकर्षित करता रहा, जो दिव्यांग कलाकारों की प्रतिभा को देखकर प्रेरित हुए। इससे दिव्यांगजन मुख्यधारा में शामिल महसूस करते हैं और उनका आत्मविश्वास बढ़ता है। ऐसे आयोजन विकलांगता के प्रति जागरूकता फैलाते हैं, जो शिक्षा और रोजगार नीतियों में सुधार लाते हैं। उदाहरणस्वरूप, देश में पिछले दशक में दिव्यांगजनों के लिए आरक्षण और योजनाएं बढ़ी हैं, और मेलों जैसे प्लेटफॉर्म इन योजनाओं का प्रचार करते हैं। दिव्य कला मेला में प्रदर्शित उत्पाद भारतीय संस्कृति की विविधता को भी दर्शाते हैं, राजस्थानी हस्तकला से लेकर पूर्वोत्तर के बांस उत्पाद तक। यह न केवल सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करता है, बल्कि दिव्यांग कलाकारों को अपनी कला को वैश्विक स्तर पर ले जाने का मौका देता है। मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम, नृत्य और संगीत प्रदर्शन होते रहे, जो दिव्यांगजनों की बहुमुखी प्रतिभा को उजागर करते हैं।

इससे युवा पीढ़ी प्रेरित होती है और दिव्यांग बच्चे अपने सपनों को साकार करने के लिए उत्साहित होते हैं। पर्यावरणीय दृष्टि से भी ये मेला लाभदायक है, क्योंकि कई उत्पाद पर्यावरण-अनुकूल सामग्रियों से बने होते हैं, जो सतत विकास को बढ़ावा देते हैं। कुल मिलाकर, ऐसे मेलों से समाज का सामूहिक विकास होता है, जहां हर व्यक्ति की क्षमता का सम्मान किया जाता है। यह मेला सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा आयोजित किया जा रहा है, जो दिव्यांगों की क्षमताओं को मुख्यधारा में लाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। ऐसे मेलों का आयोजन दिव्यांगजनों को आर्थिक अवसर प्रदान करता है।

इन कलाकारों की सफलता ने यह साबित कर दिया कि दिव्यांगजन किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकते हैं, बशर्ते उन्हें सही दिशा और अवसर मिले। दिव्य कला मेला जैसे प्लेटफॉर्म इन सफलताओं को और बढ़ावा दे सकते हैं। इंडिया गेट में देशभर से आए दिव्यांगजनों को प्रेरणा मिलती रही नेताजी सुभाष चंद्र बोस से, जिनकी मूर्ति वहां ही स्थापित हैं।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

पसंद और नापसंद से मुक्त होना जरूरी

संकलित
दर्शन

आपने देखा होगा कि लोग बड़े गर्व से अक्सर कहते हैं, 'मुझे यह पसंद है, इसलिए मैं यह करके रहूंगा और वह मुझे पसंद नहीं है, इसलिए उसे मैं बिल्कुल नहीं करूंगा, क्योंकि मैं स्वाधीन हूं।' क्या आपने कभी ध्यान दिया है कि यह सोच सचमुच आपकी स्वाधीनता से जन्मा है? यह स्वाधीनता नहीं है, यह तो बेबसी है, लाचारी है। पसंद और नापसंद की बेड़ियों में आज लगभग पूरी मानवता जकड़ी हुई है। सभी पारिवारिक झगड़ों की जड़ में लोगों की व्यक्तिगत पसंद और नापसंद ही होती हैं। पसंद और नापसंद को लेकर समाज, राष्ट्र और धर्म तक बंटे हुए हैं। जब हमारे सोच का दायरा बहुत सीमित होता है, हम कई तरह के पूर्वाग्रहों से ग्रस्त हो जाते हैं, फिर हम पर पसंद और नापसंद की सनक सवार हो जाती है। तब हम उसे नहीं देख पाते, जिसकी जरूरत है। हम वही करते हैं, जिसे हम पसंद करते हैं। वह नहीं करते, जिसे किए जाने की आवश्यकता है। फिर शुरू होता है अविराम झंझटों व विवादों का सिलसिला और उसी में उलझकर रह जाता है हमारा लघु-जीवन। योग परंपरा में भीतरी आयाम को बहुत गहराई से देखा गया और भीतरी पराधीनता से मुक्त होने की कई तकनीकों का आविष्कार किया गया, क्योंकि जो भीतरी पराधीनता का शिकार नहीं है, उसे कोई बाहरी शक्ति उस पर नियंत्रण नहीं कर सकती। पसंद और नापसंद की सनक से मुक्त होने के लिए हमें अपनी चेतना पर काम करना होगा। एक जागरूक व्यक्ति ही यह देख पाने में सक्षम होता है कि किसी विशेष परिस्थिति में क्या आवश्यक है और क्या किया जाना चाहिए।

गुरु की कृपा से असंभव काम पूरे हो पाते हैं

संकलित
प्रेरणा

महाभारत और श्रीमद् भागवद् कथा के रचियता महर्षि वेदव्यास भगवान विष्णु के अवतार माने गए हैं। इनका पूरा नाम कृष्णद्वैपायन था। इन्होंने ही वेदों का संपादन किया। इसलिए इनका नाम वेदव्यास पड़ा। इनके पिता महर्षि पाराशर और माता सत्यवती थीं। पैल, जैमिन, वैशम्पायन, सुमन्तु मुनि, रोमहर्षण आदि महर्षि वेदव्यास के महान शिष्य थे। एक बार महर्षि वेदव्यास हस्तिनापुर गए। उस समय गांधारी और धृतराष्ट्र ने उनकी बहुत सेवा की थी। उनकी सेवा से प्रसन्न होकर महर्षि ने सौ पुत्रों की माता होने का वरदान गांधारी को दिया था। कुछ समय बाद जब गांधारी गर्भवती हुईं। जब संतान के जन्म का समय आया तो संतान की जगह एक मांस पिंड प्रकट हुआ। जब ये बात वेदव्यास जी को मालूम हुई तो वे तुरंत गांधारी के पास पहुंचे। वेद व्यास जी ने अपनी विद्या से उस मांस पिंड से सौ पुत्र बना दिए। गुरु की कृपा से गांधारी सौ पुत्रों की माता बन गई। महर्षि के आशीर्वाद से ही गांधारी को सौ पुत्र हुए जो आगे जाकर कौरव कहलाए। जिनके सेनापति दुर्योधन हुए। महाभारत के युद्ध में दुर्योधन ने ही कौरव सेना की कमान संभाली थी। गुरु की कृपा हो जाती है तो असंभव काम भी पूरा हो जाता है। इसी लिए हम गुरु की आराधना सच्चे मन से करनी चाहिए ताकि उसका फल हमें मिले। कहा गया है की बिना गुरु ज्ञान अधूरा है। गुरु ही हमारा विपत्ति के समय मार्ग दर्शन करते हैं।

अंतर्मन

आज की पाती

उचित जीवनशैली कैंसर से बचाएगी

राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस पहली बार यह दिवस वर्ष 2014 में मनाया गया था। कहा जाता है कि यह नोबेल पुरस्कार विजेता वैज्ञानिक मैरी क्यूरी के जन्मदिन के दिन मनाया जाता है। मैरी क्यूरी को भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में भी नोबेल पुरस्कार दिया गया था, यह रेडियो एक्टिविटी की खोज करने के कारण भी प्रसिद्ध थी। इस दिवस के मनाए जाने का मुख्य कारण लोगों को कैंसर से बचने के तौर तरीकों के प्रति जागरूक करना भी है। दुनिया में ही नहीं, बल्कि हमारे देश में भी इसके मरीजों की संख्या बढ़ी है। यह ऐसी बीमारी है जिसके बारे में लोगों को तब पता चलता है जब यह व्यक्ति को मौत के करीब ले आती है। बहरहाल, उचित जीवनशैली को अपनाकर हम कैंसर से बच सकते हैं। *- प्रकाश ठाकुर, बिलासपुर*

करंट अफेयर

वर्ष 2025 में संयुक्त राष्ट्र 80 वर्ष का हुआ

दुनिया के कई इलाकों में जारी संघर्षों, वित्तीय संकट और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आलोचना के बीच, संयुक्त राष्ट्र ने 2025 में अपनी 80वीं वर्षगांठ मनाई, जबकि भारत ने विश्व निकाय से ''नेतृत्व और आशा'' पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया और एक बड़ी भूमिका निभाने की इच्छा व्यक्त की। यूक्रेन और गाजा में संघर्ष, सूडान से लेकर म्यांमा तक दुनिया भर के कई अन्य हिस्सों में युद्ध की स्थिति ने 2025 में भी वैश्विक चुनौतियों से निपटने में संयुक्त राष्ट्र और उसकी शक्तिशाली, लेकिन ध्रुवीकृत, सुरक्षा परिषद की अक्षमता को उजागर किया। जैसे-जैसे राष्ट्र मानवीय आपात स्थितियों, जलवायु संकट और आर्थिक असमानता से जूझ रहे हैं, वैसे-वैसे संयुक्त राष्ट्र की प्रासंगिकता पर सवाल और मुखरता से उठाए जा रहे हैं जिनमें प्रमुख सवाल यह है कि क्या 1945 में स्थापित 80 साल पुराने इस संगठन के पास 21वीं सदी में अस्थिर दुनिया की समस्याओं का समाधान है। इस पृष्ठभूमि में, भारत ने इस बहुपक्षीय संगठन में सुधार के लिए जोरदार आह्वान किया है। सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा के मंच से विश्व नेताओं को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस बात पर जोर दिया कि एक 'निष्पक्ष रिपोर्ट कार्ड' से पता चलेगा कि संयुक्त राष्ट्र संकट की स्थिति में है।

ऑफ बीट

आम पकने के पहले ही क्यों गिर जाते हैं ?

ऑस्ट्रेलिया में हर मौसम में आम उत्पादकों को उस समय भारी नुकसान होता है, जब पेड़ों से बड़ी संख्या में फल पकने से पहले ही गिर जाते हैं। शोध में वैज्ञानिकों ने पाया है कि तनाव के दौरान पेड़ों में हार्मोनल असंतुलन और कार्बोहाइड्रेट की कमी पैदा हो जाती है। फल के विकास के लिए आवश्यक शर्करा की आपूर्ति बाधित होने पर पेड़ अपने अस्तित्व को प्राथमिकता देता है और फल गिर जाता है। शोधकर्ताओं ने इसे एक आणविक क्विट सिग्नल बताया है, जो पेड़ को फल का साथ छोड़ने का संदेश देता है। यह संकेत जीन गतिविधि और हार्मोनल संकेतों के जटिल नेटवर्क से जुड़ा है। इस प्रक्रिया को समझने के लिए वैज्ञानिक आम के डंठल (पेडिसल) के ऊतकों में जीन गतिविधियों का अध्ययन कर रहे हैं, जहां पेड़ और फल के बीच पोषक तत्वों और संकेतों का आदान-प्रदान होता है। फल झड़ने की समस्या के लिए शोध में पौध वृद्धि नियामकों (प्लांट ग्रोथ रेगुलेटर्स) के उपयोग को एक प्रभावी उपाय बताया गया है। ये हार्मोन के कृत्रिम रूप होते हैं, जो तनाव की स्थिति में पेड़ों में संतुलन बनाए रखने में मदद करते हैं। परीक्षणों में पाया गया कि फूल आने के शुरुआती चरण में इनका प्रयोग अधिक प्रभावी रहा, जिससे पैदावार में 17 प्रतिशत तक की वृद्धि दर्ज की गई।

ट्रेंड

गगनयान मिशन

भारत के युवाओं की बदौलत हमारा अंतरिक्ष कार्यक्रम अधिक उन्नत और प्रभावशाली होता जा रहा है। एलवीएम3 की विश्वसनीय भारी भार वहन क्षमता के साथ, हम गगनयान जैसे भविष्य के मिशनों की नींव मजबूत कर रहे हैं।
- **नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री**

सांस्कृतिक परियोजना

महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव के जीवन से जुड़ी बटद्रवा सत्र की भूमि को असम सरकार ने अतिक्रमणमुक्त किया। वहां एक सांस्कृतिक परियोजना को साकार रूप दिया है, जहां सनातन परंपरा और असम की समृद्ध संस्कृति को सुंदर रूप में प्रदर्शित किया है।
- **हिमंता बिस्वा सरमा, सीएम, असम**

नए कॉरिडोर मंजूर

दिल्ली के लिए दीर्घकालिक समाधानों पर स्पष्ट ध्यान केंद्रित करते हुए एक नया मार्ग प्रशस्त किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दिल्ली मेट्रो के चरण-5 (ए) के तहत तीन नए कॉरिडोर को मंजूरी दी है।
- **रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली**

उपेक्षा से तिरस्कार तक

भाजपा राज में 'बाटी-चोखा' भी नहीं केवल 'माटी-धोखा' खाने को मिलता है। अब बात 'हाता नहीं भाता' से बहुत आगे निकल गयी है। जब बात उपेक्षा से तिरस्कार तक पहुँच जाती है तो कोई भी समाज सह नहीं पाता है।
- **अखिलेश यादव, सांसद, सपा**

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड,
रोहतक-124001 फोनः 9253681019-20
ई-मेल : haribhoomi@gmail.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

इस साल भारतीय क्रिकेट टीम ने नई ऊंचाइयों को तो छुआ, मगर कहीं खा गए मात

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

नई दिल्ली भारतीय क्रिकेट टीम ने साल 2025 में एक परिवर्तनकारी दौर से गुजरी। इस साल आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाने में असफल रहने के बाद टीम को शुभमन गिल के रूप में एक युवा कप्तान मिला।

रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद गिल को नया टेस्ट कप्तान नियुक्त किया गया। टेस्ट क्रिकेट में टीम का प्रदर्शन मिला-जुला रहा, वहीं सीमित ओवर क्रिकेट में टीम ने नई ऊंचाइयों को छुआ।

साल 2025 में टीम इंडिया ने हासिल की उपलब्धियां, साथ में निराशा भी

अपराजित रहते हुए जीता चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब

भारतीय टीम मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी को 3 बार जीतने वाली पहली टीम बनी थी। रोहित की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने दुबई में खेले गए एकतरफा फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर यह उपलब्धि हासिल की थी। खास बात यह रही कि टीम ने बिना कोई मैच हारे खिताब जीता था। टूर्नामेंट में यह उनका लगातार तीसरा फाइनल था। इसके साथ ही भारत ने अपना 7वां आईसीसी खिताब जीता, जो किसी भी टीम के लिए दूसरा सबसे अधिक खिताब हैं।

ओवल टेस्ट में दर्ज की ऐतिहासिक जीत

इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के समापन के बाद गिल की कप्तानी में भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे पर गई। कड़े मुकाबले वाली एंडरसन-तेंडुलकर ट्रॉफी में भारत ने अंतिम टेस्ट जीतकर सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराई। पांच टेस्ट मैचों में 1,000 से अधिक गेंदें फेंकने वाले मोहम्मद सिराज ने ओवल में निर्णायक जीत दिलाकर सीरीज बराबर की। उनकी 143 किमी प्रति घंटे की यॉर्कर ने भारत को 6 रन से जीत दिलाई। इंग्लैंड 374 रनों का लक्ष्य हासिल नहीं कर पाई।

रोहित-कोहली की वापसी

भारत ने अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया और 3 मैचों की वनडे सीरीज खेली। रोहित को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया। लगातार 2 मैचों में शून्य पर आउट होने वाले कोहली ने आखिरी वनडे में अर्धशतक बनाया।

भारत ने जीता एशिया कप में अपना 9वां खिताब

इसके बाद भारतीय टीम सितंबर में टी-20 एशिया कप के लिए यूएई गई। सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम ने फाइनल समेत अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 3 बार हराकर अपराजित रहते हुए जीत दर्ज की। अभिषेक शर्मा ने पूरे अभियान में अहम भूमिका निभाई। फाइनल में तिलक वर्मा ने 53 गेंदों पर 69* रनों की अपनी स्थिर पारी से महत्वपूर्ण योगदान दिया। भारत ने अपना 9वां एशिया कप खिताब (वनडे और टी-20 अंतरराष्ट्रीय मिलाकर) जीता।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में हार

वेस्टइंडीज को हराने के बाद भारत कोलकाता टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका से 30 रनों से हार गया। भारत 124 रनों के लक्ष्य का पीछा नहीं कर पाया। गुवाहाटी में जीत हासिल करने के बाद दक्षिण अफ्रीका ने भारत को 2-0 से हराया। प्रोटियाज ने 548 रनों का सफलतापूर्वक बचाव किया और अंतिम दिन भारत को 140 रनों पर ऑल आउट कर दिया। इससे दक्षिण अफ्रीका ने साल 2000 के बाद भारत में अपनी पहली टेस्ट सीरीज जीतने में सफल रहा।

भारत की टेस्ट टीम के लिए एक और बड़ी निराशा

गुवाहाटी में भारत को टेस्ट क्रिकेट में अपनी सबसे बड़ी हार (408 रन) मिली, जिसने 2004 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली 342 रनों की हार का रिकॉर्ड तोड़ दिया। इससे पहले भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में 3-0 से हार मिली थी।

भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीती वनडे और टी-20 सीरीज

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में भारत ने शानदार वापसी की। इस सीरीज में भारत ने 2-1 से जीत हासिल की और कोहली ने अपना बेहतरीन प्रदर्शन दोहराया। सीरीज में उन्होंने 2 लगातार शतक और एक अर्धशतक जड़ा। इसके लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया। इसके बाद, भारत ने 5 मैचों की टी-20 सीरीज में दक्षिण अफ्रीका को 3-1 से हराया। यह भारत की लगातार 8वीं द्विपक्षीय टी-20 सीरीज जीत थी।

एशेज : फिलहाल 3-0 से आगे चल रही ऑस्ट्रेलियाई टीम

चौथा बॉक्सिंग डे टेस्ट आज से : ऑस्ट्रेलिया की कमान संभालेंगे स्मिथ, इंग्लैंड ने किए कई बदलाव

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

एशेज सीरीज 2025-26 का चौथा और बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच 26 दिसंबर से मेलबर्न में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम सीरीज में 3-0 से अजेय बढ़त ले चुकी है।

पैट कमिंस चोटिल होने के कारण चौथे मुकाबले से बाहर हो गए हैं। ऐसे में एक बार फिर स्टीव स्मिथ कप्तानी करते हुए नजर आएंगे। इंग्लैंड ने भी अपनी प्लेइंग इलेवन में कई बदलाव किए हैं। ऐसे में जहां ऑस्ट्रेलियाई टीम लगातार चार टेस्ट मैच जीतने का रिकॉर्ड बनाने आतुर है वहीं इंग्लैंड किसी भी प्रकार एक टेस्ट मैच ड्रा कराकर या जीतकर ऑस्ट्रेलिया के विजयरथ को रोकना चाहेगी। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच अब तक 364 टेस्ट मैच खेले गए हैं। इस दौरान कंगारू टीम को 155 मुकाबलों में जीत मिली है। इंग्लैंड ने 112 मैच अपने नाम किए हैं। दोनों टीमों के बीच 97 मुकाबले ड्रॉ पर समाप्त हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया की सरजमीं पर दोनों टीमों के बीच अब तक 188 टेस्ट मुकाबले खेले गए हैं। 102 मैच ऑस्ट्रेलिया ने जीते हैं और 57 में उसे हार मिली है। 29 मुकाबले ड्रॉ पर समाप्त हुए।

इंग्लैंड टीम

इंग्लैंड की टीम में जोफ्रा आर्चर और ओली पोप को शामिल नहीं किया गया है। उनकी जगह जेकब बेथेल और गस एटकिंसन की वापसी हुई है। आर्चर चोटिल होने के कारण सीरीज से बाहर हुए हैं। पोप को उनकी खराब फॉर्म के कारण प्लेइंग इलेवन से बाहर किया गया है। **इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन :** जैक क्रॉली, बेन डकेट, जैकब बेथेल, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ, विल जैक्स, गस एटकिंसन, ब्रायडन कार्स और जोश टंग।

ऑस्ट्रेलिया टीम

ऑस्ट्रेलिया ने चौथे टेस्ट के लिए 12 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। टीम में तेज गेंदबाजों को ज्यादा मौके मिले हैं। नाथन लियोन चोटिल होने के कारण इस टेस्ट से बाहर हो गए हैं। हालांकि, इसके बावजूद टीम काफी मजबूत नजर आ रही है। **ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग इलेवन :** ट्रेविस हेड, जेक वेदराल्ड, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ (कप्तान), उस्मान ख्वाजा, एलेक्स केरी (विकेटकीपर), कैमरून ग्रीन, मिचेल स्टार्क, स्कॉट बोलैंड, ब्रेंडन डॉगेट और माइकल नेसर/ झाय रिचर्डसन।

इन खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर होंगी नजरें

हेड ने पिछले 10 टेस्ट मैच में 42.17 की औसत से 759 रन बनाए हैं। केरी के बल्ले से पिछले 10 मुकाबलों में 53.07 की शानदार औसत से 743 रन निकले हैं। इंग्लैंड के लिए रूट ने पिछले 10 मुकाबलों में 54.75 की शानदार औसत से 876 रन बनाए हैं। गेंदबाजी में स्टार्क ने पिछले 10 मैच में 51 विकेट चटकाए हैं। इंग्लैंड के लिए स्टोक्स ने पिछले 9 मुकाबलों में 32 विकेट अपने नाम किए हैं।

न्यूजीलैंड से होगी भिड़ंत, नए साल की पहली वनडे सीरीज जीतने उतरेगी शुभमन ब्रिगेड

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम को 11 जनवरी, 2026 से न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ वनडे सीरीज खेलनी है। भारतीय टीम ने नवंबर 2025 में अपनी पिछली वनडे सीरीज दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के विरुद्ध खेली थी और उसे 2-1 से जीता था। शुभमन गिल की कप्तानी में भारत आगामी सीरीज में कीवी टीम के खिलाफ भी उम्दा प्रदर्शन करना चाहेगी। इस बीच भारत और न्यूजीलैंड के बीच वनडे क्रिकेट के प्रदर्शन पर एक नजर डालते हैं। अब तक दोनों टीमों की भिड़ंत में भारतीय टीम का पलड़ा भारी रहा है। क्रिकइंफो के मुताबिक, दोनों टीमें कुल 120 वनडे में आमने-सामने हुई हैं, जिसमें से 62 मैच भारत ने जीते हैं और 50 में शिकस्त का सामना किया है। इस बीच 7 मैच बेनतीजा रहे हैं और 1 मैच टाई रहा है। भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ सर्वोच्च स्कोर 397 रन और न्यूनतम स्कोर 88 रन बनाया है।

राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिप
श्रुति मुंडाडा और पारुल चौधरी अगले दौर में

विजयवाड़ा। अनुभवी शटलर श्रुति मुंडाडा तथा उभरती खिलाड़ी पारुल चौधरी और तन्वी पात्री ने राष्ट्रीय सीनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप में गुरुवार को अपने से अधिक रैंकिंग वाली खिलाड़ियों को हराकर महिला एकल के प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। श्रुति ने सातवीं वरीयता प्राप्त जिया रावत को 21-14, 21-9 से, जबकि पारुल ने नौवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को 18-21, 21-18, 21-12 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। तन्वी पात्री ने आठवीं वरीयता प्राप्त इशरानी बरुआ को 22-20, 21-19 से हराकर उलटफेर किया।शीर्ष वरीयता प्राप्त उन्नति हुडा, दूसरी वरीयता प्राप्त अनुपमा उपाध्याय, तीसरी वरीयता प्राप्त अनमोल खरब और विश्व जूनियर रजत पदक विजेता तन्वी शर्मा भी अगले दौर में पहुंच गईं हैं।

आईजीपीएल
जीव कोलंबो में जीते पुखराज रहे टॉप पर

कोलंबो। भारत के महान गोल्फर जीव मिल्खा सिंह ने 13 साल का इंतजार खत्म करते हुए आईजीपीएल आमंत्रण श्रीलंका टूर्नामेंट जीतकर आईजीपीएल के पहले सत्र का शानदार अंत किया। वर्ष 2012 के बाद से प्रो टूर्नामेंट नहीं जीत सके 54 साल के जीव ने छह अंडर 65 और कुल 15 अंडर का स्कोर करके आर्यन रूपा आनंद को एक शॉट से हराया। भारत के ही पुखराज सिंह गिल संयुक्त 12वें स्थान पर रहने के बावजूद आईजीपीएल आर्डर आफ मेरिट जीत गए। उन्होंने अमन राज और गगनजीत भुल्लर को मामूली अंतर से हराया। जीत के बाद जीव मिल्ल्खा सिंहन ने आंसू पोछते हुए कहा मैने श्रीलंका में पहले कभी नहीं खेला है। मेरे लिये यह भावुक पल है।

भारत-श्रीलंका के बीच तीसरा टी20 आज भारत की नजरें सीरीज जीतने पर

तिरूवनंतपुरम। आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय टीम अपनी लय को कायम रखते हुए खराब फॉर्म से जूझ रही श्रीलंकाई टीम के खिलाफ शुक्रवार को तीसरा टी20 मैच और पांच मैचों की श्रृंखला जीतने के इरादे से उतरेगी। भारत ने विशाखापत्तनम में पहले दो टी20 मैचों में क्रमशः आठ और सात विकेट से जीत दर्ज की है। भारत की यह पिछले 11 टी20 मैचों में नौवीं जीत थी। श्रीलंका ने आखिरी बार भारत को जुलाई 2024 में दाम्बुला में हराया था। मैच आज शाम 7 बजे से तिरुवनंतपुरम में खेला जाएगा। मेजबान टीम के पास शानदार बल्लेबाजी क्रम है और पिछले दोनों मैचों में अलग अलग खिलाड़ियों ने जीत दिलाई है। पहले मैच में जहां जेमिमा रौड्रिग्स चली तो दूसरे में शेफाली वर्मा जीत की सूत्रधार रहीं। भारत की गेंदबाजी ईकाई भी उतनी ही दमदार है और स्पिनरों ने पहले मैच में श्रीलंका को छह विकेट पर 121 और दूसरे में नौ विकेट पर 128 रन पर रोक दिया।

BREEZ BUILDERS & DEVELOPERS BREEZ INFRA

उन आवेदकों की सूची जिन्होंने मांग की तारीख से 15 दिनों के बाद उन्हें जारी नोटिस के बावजूद भुगतान नहीं किया है। निम्नलिखित आवेदकों को इस रद्दीकरण को रोकने के लिये इस विज्ञापन के माध्यम से 15 दिनों के भीतर शेष राशि जमा करने के लिये सूचित किया जाता है। सभी आवेदकों जिनके भुगतान निश्चित समय के भीतर प्राप्त नहीं किये जाते हैं, उन आवंटित दुकानों का अफोर्डेबल हाउसिंग पॉलिसी 2013 के अनुसार आवंटन रद्द कर दिया जाएगा।

Breez Infra, Gurugram

LICENCE NO. 85 OF 2021

Shop No.	Shop No.
G - 3	F - 28
F - 40	F - 32
F - 48	

नोटः पहले ही भुगतान किये जाने पर सावधानी से अनदेखा करें।

Corporate Office: Unit No 7th B, 7th Floor,
Ireo Grand View Tower, Sector 58, Gurugram 122002
Ph: 0124 6980076

17 साल बाद लौटे तारिक रहमान, अब तेज होगा घमासान

बांग्लादेश के ढाका में भव्य स्वागत

एजेंसी ▶▶ ढाका

बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यकारी अध्यक्ष तारिक रहमान गुरुवार को ढाका पहुंच गए। वह 17 साल के अंतराल के बाद ब्रिटेन से स्वदेश लौटे हैं। बीएनपी की स्थायी समिति के सदस्यों ने हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया। उनके साथ उनकी पत्नी जुबैदा रहमान और बेटी जैमा रहमान भी थीं। तारिक रहमान ने बांग्लादेश पहुंचने पर ढाका में एक विशाल रैली को भी संबोधित किया, जहां उन्होंने भविष्य की अपनी योजनाओं समेत कई मुद्दों पर बात की। तारिक रहमान ने कहा कि जिस तरह देश के लोगों ने 1971 में आजादी हासिल की थी, उसी तरह 2024 में समाज के सभी स्तरों के लोगों ने मिलकर देश की आजादी और संप्रभुता की रक्षा की। आज, बांग्लादेश के लोग बोलने का अपना अधिकार वापस पाना चाहते हैं। वे अपने लोकतांत्रिक अधिकार वापस पाना चाहते हैं।

मार्टिन लूथर किंग जूनियर के मशहूर उद्धरण 'मेरा एक सपना है' का ज़िक्र करते हुए, तारिक रहमान ने कहा कि मेरे पास एक प्लान है। उन्होंने संकेत दिया कि उनके पास देश बनाने का एक प्लान है और उन्होंने हर नागरिक से सहयोग की अपील की, यह कहते हुए कि केवल सामूहिक समर्थन से ही प्लान को सफलतापूर्वक लागू किया जा सकता है

सुरक्षित बांग्लादेश बनाने पर दिया जोर

बोलने का अधिकार वापस देना चाहते

तारिक रहमान का स्वागत करते समर्थक

सभी मिलकर काम करें

तारिक रहमान ने आगे कहा कि देश को बनाने के लिए अब सभी को मिलकर काम करने का समय आ गया है। उन्होंने बांग्लादेश की विविधता पर जोर दिया, यह बताते हुए कि यह देश पहाड़ों और मैदानों के लोगों, मुसलमानों, हिंदुओं, बौद्धों और ईसाइयों का घर है। उन्होंने एक सुरक्षित बांग्लादेश बनाने के लक्ष्य पर ज़ोर दिया, एक ऐसा देश जहां हर महिला, पुरुष या बच्चा अपने घर से निकलकर सुरक्षित वापस लौट सके।

बांग्लादेश के लिए एक प्लान है

मार्टिन लूथर किंग जूनियर के मशहूर उद्धरण 'मेरा एक सपना है' का ज़िक्र करते हुए, तारिक रहमान ने कहा कि मेरे पास एक प्लान है। उन्होंने संकेत दिया कि उनके पास देश बनाने का एक प्लान है और उन्होंने कहा कि केवल सामूहिक समर्थन से ही प्लान को सफलतापूर्वक लागू किया जा सकता है।

लोगों को आर्थिक अधिकार मिलें

उन्होंने कहा कि देश के लोगों को उनके आर्थिक अधिकार वापस मिलें। भविष्य का बांग्लादेश उसी तरह बनाया जाना चाहिए जैसा सोचा गया था। यह उसी तरह हो जैसा 1971 और 2024 में शहीद हुए लोगों ने सोच रखा था।

लोकतांत्रिक नींव पर देश का निर्माण हो

तारिक रहमान ने इस बात पर जोर दिया कि युवा पीढ़ी भविष्य में देश का नेतृत्व करेगी। उन्होंने मजबूत आर्थिक स्थिरता के साथ लोकतांत्रिक नींव पर देश के निर्माण पर जोर दिया, और बार-बार दोहराया कि हम देश में शांति चाहते हैं। रहमान ने कहा कि हम सब मिलकर काम करेंगे और अपना बांग्लादेश बनाएंगे। उन्होंने वहाँ मौजूद सभी लोगों का आभार भी व्यक्त किया।

अवामी लीग का आरोप

ये बैकडोर डील का हिस्सा

लंबे निर्वासन के बाद बीएनपी के कार्यकारी अध्यक्ष तारिक रहमान की देश वापसी को लेकर सियासी घमासान छिड़ गया है। अवामी लीग के छात्र संगठन ने आरोप लगाया है कि यह वापसी लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए नहीं, बल्कि एकतरफा चुनाव कराने की 'बैकडोर डील' का हिस्सा है। बांग्लादेश छात्र लीग के अध्यक्ष सद्दाम हुसैन ने कहा कि तारिक रहमान की घर वापसी से देश में स्थिरता नहीं आएगी, बल्कि राजनीतिक ध्रुवीकरण और बढ़ेगा। उनका दावा है कि यह पूरा घटनाक्रम अवैध सरकार और बीएनपी-जमात गठबंधन के बीच एक समझौते का नतीजा है, जिसका मकसद चुनाव को पहले से तय नतीजों की ओर ले जाना है।

एक और हिंदू युवक की हत्या

बांग्लादेश के राजबाड़ी जिले के पांगशा उपजिला में बुधवार रात एक और हिंदू युवक की भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार, युवक पर जबरन वसूली (एक्सटॉर्शन) का आरोप लगाया गया था। यह घटना रात करीब 11 बजे कलीमोहर यूनियन के होसेंदंगा गांव में हुई। पांगशा सर्कल के सहायक पुलिस अधीक्षक देब्रत सरकार ने बताया कि मृतक की पहचान अमृत मंडल, उर्फ सम्राट, के रूप में हुई है। पुलिस ने सम्राट को गंभीर हालत में भीड़ से बचाया। उसे तुरंत पांगशा उपजिला स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान रात करीब 2 बजे डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

अंतरिम सरकार का ऐलान

फरवरी के चुनाव में हिस्सा नहीं ले सकेगी अवामी लीग

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग

फरवरी 2026 में होने वाले राष्ट्रीय संसदीय चुनावों में हिस्सा नहीं ले सकेगी। सरकार ने कहा है कि पार्टी की गतिविधियों पर प्रतिबंध होने के कारण उसे चुनाव लड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी। अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने सलाहकार परिषद की बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अवामी लीग की राजनीतिक गतिविधियां प्रतिबंधित हैं और चुनाव आयोग ने पार्टी का पंजीकरण भी रद्द कर दिया है, इसलिए वह आगामी चुनाव में भाग नहीं ले सकती।

पूर्व पीएम हसीना बोलीं

चुनाव नहीं ताजपोशी होगी

चुनाव से बाहर किए जाने पर पूर्व पीएम शेख हसीना ने कड़ा विरोध जताया है। उन्होंने कहा कि अवामी लीग के बिना चुनाव, चुनाव नहीं बल्कि ताजपोशी होगी। हसीना

ने कहा कि जब लोगों को अपनी पसंदीदा पार्टी को वोट देने का मौका नहीं मिलता, तो वे वोट ही नहीं करते। अगर अवामी लीग पर प्रतिबंध जारी रहा, तो लाखों लोग मतदान से वंचित हो जाएंगे। ऐसे चुनाव से बनने वाली सरकार के पास शासन करने का नैतिक अधिकार नहीं होगा। उन्होंने यह भी कहा कि इस समय बांग्लादेश को राष्ट्रीय मेल-मिलाप की सख्त जरूरत है और यह फैसला एक बड़ा अवसर चूकने जैसा है। बता दें, जुलाई में हुए छात्र आंदोलन के बाद शेख हसीना की सरकार सत्ता से हट गई थी। फरवरी 2026 में बांग्लादेश में चुनाव होंगे।

सुरक्षा में 4,000 सैन्य कर्मी तैनात

रहमान की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ढाका में करीब 4,000 सैन्य कर्मी, अर्धसैनिक बल बॉर्डर गार्ड बांगलादेश (बीजीबी), दंगा नियंत्रण उपकरणों में सुसज्जित पुलिसकर्मी और सादे कपड़ों में पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे। एक वीडियो में रहमान ने कहा कि मैं अपनी और अपने परिवार की ओर से आपका धन्यवाद करता हूं। खासकर, मेरी सुरक्षा के लिए उठाए गए कदमों के लिए कृतज्ञता व्यक्त करता हूं। रहमान ढाका के एवरेकेयर अस्पताल में अपनी मां और बीएनपी अध्यक्ष खालिदा जिया (88) से मिलने जाएंगे। तीन बार पीएम चुकी हैं जिया अस्पताल के 'इंटेंसिव केयर यूनिट' (आईसीयू) में इलाज करा रही हैं।

खबर संक्षेप

अस्पताल में 8 घंटे इंतजार के बाद भारतीय की मौत

टोरंटो। कनाडा के एक अस्पताल में भारतीय मूल के 44 साल के प्रशांत श्रीकुमार को करीब 8 घंटे तक इंतजार करवाने की वजह से मौत हो गई। 22 दिसंबर को उनके सीने में तेज दर्द की शिकायत हुई। इसके बाद उन्हें एडमॉन्टन्स ग्रे नन हॉस्पिटल ले गया।

अमेरिका से ट्रेड डील पर बन सकती है बात!

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका ने आर्थिक संबंधों को और गहरा करने की दिशा में एक और कदम बढ़ाया है। वॉशिंगटन में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने सर्जियो गोर के साथ मुलाकात और बात की है। इसमें व्यापार संबंधों के साथ ही नई दिल्ली और वॉशिंगटन के बीच व्यापक द्विपक्षीय साझेदारी पर ध्यान केंद्रित किया गया। विनय मोहन क्वात्रा और सर्जियो गोर के बीच यह बैठक 'मार-ए-लागो' में हुई, जहां दोनों राजदूतों ने साझा प्राथमिकताओं पर चर्चा की।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने बताया 'एक बड़ी सफलता'

ओडिशा में मुठभेड़ में 1.1 करोड़ के इनामी गणेश उइके समेत 6 नक्सली मारे गए

2 महिलाओं समेत 3 की पहचान नहीं हुई कई क्षेत्रों में अभियान अभी भी जारी

एजेंसी ▶▶ भुवनेश्वर

ओडिशा के कंधमाल जिले में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में शीर्ष माओवादी गणेश उइके सहित छह नक्सली मारे गए। पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इसे 'एक बड़ी सफलता' बताया, जबकि सीएम मोहन चरण माझी ने इसे 'नक्सल मुक्त भारत' के निर्माण की दिशा में एक 'उल्लेखनीय सफलता' बताया। राज्य में नक्सल विरोधी अभियानों का नेतृत्व कर रहे एक वरिष्ठ अधिकारी संजीब पांडा ने बताया कि भाकपा (माओवादी) केंद्रीय समिति के सदस्य उइके ओडिशा में प्रतिबंधित संगठन का प्रमुख था और उस पर 1.1 करोड़ रुपए का इनाम था। बुधवार रात बेलघर थाना क्षेत्र के गुम्मा जंगल में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में छत्तीसगढ़ के दो माओवादी मारे गए। उन्होंने बताया कि गुरुवार सुबह चकापाड थाना क्षेत्र के एक जंगल में फिर से मुठभेड़ हुई, जिसमें उइके समेत 4 अन्य माओवादी मारे गए।

नक्सलवाद को जड़ से खत्म करेंगे: शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि ओडिशा के कंधमाल में चलाये गये एक बड़े अभियान में केंद्रीय समिति के सदस्य गणेश उइके समेत छह नक्सलियों को मार गिराया गया है। इस बड़ी सफलता के साथ ओडिशा नक्सलवाद से पूरी तरह मुक्त होने की कगार पर है। हम 31 मार्च 2026 से पहले नक्सलवाद को जड़ से खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

हिडमा के बाद बड़ी कार्रवाई

गणेश उइके का मारा जाना हिडमा के बाद बड़ी कार्रवाई है। 18 नवंबर को कुख्यात माओवादी कमांडर माडवी हिडमा (43) को सुरक्षाबलों ने आंध्र प्रदेश में ढेर कर दिया था। उस पर 2013 के दरभा घाटी नरसंहार और 2017 का सुकमा हमला सहित कम से कम 26 सशस्त्र हमलों का जिम्मेदार था। उस पर एक करोड़ का इनाम था।

दो राइफल जब्त

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) वाईबी खुरानिया ने कहा कि खुफिया जानकारी के आधार पर गुरुवार की सुबह कंधमाल जिले के चाकापड़ पुलिस थाना क्षेत्र और गंजाम जिले के राम्भा वन रेंज से सटे इलाकों में ओडिशा पुलिस के विशेष अभियान दल की 20, सीआरपीएफ की दो और बीएसएफ के एक दल समेत 23 दलों को शामिल करते हुए एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया। बुधवार को दो नक्सली मारे गए और गुरुवार सुबह चार अन्य मारे गए।

कर्नाटक में भीषण सड़क हादसा

कर्नाटक में स्लीपर बस में आग, 10 यात्री जिंदा जले

30 से ज्यादा यात्री सवार थे, कई गंभीर घायल

एजेंसी ▶▶ चित्रदुर्ग

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कर्नाटक के चित्रदुर्ग जिले में गुरुवार तड़के 3 बजे एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। यहां पर एक स्लीपर प्राइवेट बस की टक्कर एक ट्रक (लॉरी) से हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्लीपर बस में आग लग गई। इस हादसे में 10 यात्रियों की जिंदा जलने से मौत हो गई। ये बस बेंगलुरु से शिवमोगा जा रही थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक बस में 30 से ज्यादा यात्री थे। कई घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है। यह हादसा नेशनल हाईवे-48 (एनएच-48) पर हुआ। जिस दौरान यह टक्कर हुई और बस में आग लग अधिकांश यात्री बस में सो रहे थे। भी हादसे की चपेट में आ गए।

शवों का होगा डीएनए टेस्ट

बताया जा रहा है कि दूसरी तरफ से आ रहे एक ट्रक ने डिवाइडर पार किया और बस से टकरा गया, जिससे बस में आग लग गई। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस का कहना है कि ज्यादातर यात्रियों ने टिकट ऑनलाइन बुक किए थे। इससे पुलिस को उनके फोन नंबर मिल गए हैं। उनके परिवारों से संपर्क करने की कोशिश की जा रही है। जले हुए शवों की पहचान के लिए डीएनए टेस्ट करवाया जाएगा। इसके बाद ही परिजनों के हवाले किया जाएगा।

पीएम मोदी ने दुख जताया

पीएम नरेंद्र मोदी ने चित्रदुर्ग बस हादसे के पीड़ितों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने आग में मारे गए यात्रियों के परिवारों को 2 लाख और घायलों को 50,000 रुपए की आर्थिक मदद देने की भी घोषणा की।

कंबोडिया में भगवान विष्णु की प्रतिमा गिराने पर भारत ने जताई थी चिंता

सीमा विवाद को बातचीत व कूटनीति के जरिए सुलझाएं: भारत

थाईलैंड की सफाई, यह कार्रवाई 'धार्मिक' नहीं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

थाईलैंड और कंबोडिया की सीमा पर थाईलैंड की सेना ने भगवान विष्णु की एक मूर्ति तोड़ दी, जिस पर भारत ने चिंता जताई। थाईलैंड ने इस मामले पर स्पष्टीकरण जारी कर कहा कि हिंदू देवता की मूर्ति जहां स्थापित थी वह जगह रिलीजियस प्रक्टिस के लिए रजिस्टर्ड नहीं थी। इसके अलावा थाईलैंड ने इसे सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा भी बताया। इस मामले भारत ने कहा कि इस तरह के 'अपमानजनक' कृत्य से दुनिया भर में श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत होती हैं। साथ ही भारत ने थाईलैंड और कंबोडिया से अपने सीमा विवाद को बातचीत व कूटनीति के जरिए सुलझाने का आग्रह किया। थाई-कंबोडियन बॉर्डर प्रेस सेंटर ने कहा कि हिंदू देवता की मूर्ति को तोड़ने का उद्देश्य धर्म या आस्था से संबंधित नहीं था। थाईलैंड ने इस बात पर भी जोर दिया कि वह हिंदू धर्म सहित सभी धर्मों का समान रूप से सम्मान करता है।

भगवान विष्णु की मूर्ति को गिराती थाईलैंड की सेना

यह कृत्य ठेस पहुंचाने वाला

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हमने हाल के समय में बनाई गई एक हिंदू देवता की मूर्ति को तोड़े जाने की खबरें देखी हैं, जो थाईलैंड-कंबोडिया सीमा विवाद से प्रभावित क्षेत्र में स्थित थी। हिंदू और बौद्ध देवताओं को पूरे क्षेत्र में लोग गहरी श्रद्धा और भक्ति के साथ पूजते हैं और यह हमारी साझा सभ्यतागत विरासत का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय दावों से इतर, इस तरह के अपमानजनक कृत्य दुनिया भर के श्रद्धालुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाते हैं और ऐसा नहीं होना चाहिए।

सीमा पर तनाव बढ़ने की आशंका

थाईलैंड के अधिकारियों ने कहा कि यह प्रतिमा बाद में स्थापित की गई थी और इसे धार्मिक स्थल के रूप में आधिकारिक मान्यता प्राप्त नहीं थी। अगर इसे नहीं हटाया जाता तो संवेदनशील बॉर्डर पर तनाव बढ़ा सकते थे। अधिकारी के अनुसार, यह भगवान विष्णु की ये प्रतिमा विवादित सीमा के पास चोंग आन मा क्षेत्र में स्थित थी। थाईलैंड इसे कंबोडियाई सैनिकों द्वारा उसकी दावा की गई जमीन पर संप्रभुता जताने के लिए स्थापित एक प्रतीक के रूप में देखता था। कंबोडिया ने इसे लेकर नाराजगी जताते हुए कहा कि मूर्ति उसके इलाके में थी, जिसे थाईलैंड ने अवैध तरीके से गिरा दिया।

नवी मुंबई एयरपोर्ट पर पहली फ्लाइट को वाटर कैनन सैल्यूट

मुंबई। नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (एनएमआईए) से वाणिज्यिक उड़ानों का संचालन गुरुवार से शुरू हो गया। बेंगलुरु से इंडिगो की पहली उड़ान सुबह करीब आठ बजे यहां उतरी। आगमन पर फ्लाइट को पारंपरिक वाटर कैनन सैल्यूट दिया गया। इंडिगो की दूसरी फ्लाइट ने नवी मुंबई से हैदराबाद के लिए उड़ान भरी। इसके साथ ही एयरपोर्ट का पहला आगमन और प्रस्थान चक्र पूरा हुआ। एयरपोर्ट अथॉरिटी ने इसे एनएमआई की पहली कॉमर्शियल लैंडिंग और टेक-ऑफ बताया।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक देवेन्द्र सिंह द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड़, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 से प्रकाशित। संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। RNI No. 63924/1996, फोन : 9253681019-20, फैक्स : 274202, e-mail : rohtak@haribhoomi.com, rohtakharibhoomi@gmail.com
Postal Regd. No. P/RTK/389/2023-25